आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 278 | उज्जैन, गुरुवार 28 अगस्त 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

हर काल और हर युग में रही है उज्जैन की गौरव गाथा-मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देश की सात पवित्र नगरियों में अवंतिका (उज्जैन) भी शामिल है। यहां राजा विक्रमादित्य, महाकवि कालिदास, सम्राट अशोक, चंद्र प्रद्योत के नाम अजर-अमर हो चुके हैं। हमारे पास राष्ट्र वीर दुर्गादास राठौर की ऐतिहासिक विरासत भी है। आज उनकी छत्री के जीर्णोद्धार के लिए भूमिपूजन किया गया है। हर काल और युग में उज्जैन की गौरवशाली गाथा रही है। हम एक नये दौर में प्रवेश कर रहे है। उज्जैन गोपाल मंदिर क्षेत्र स्थित रीगल टॉकीज का इतिहास बहुत गौरवशाली रहा है। यहां भगवान श्री महाकालेश्वर की सवारी निकलती है, सिंहस्थ के दौरान यहां से पेशवाई निकलती है और यह स्थान हरि और हर के मिलन का साक्षी भी होता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को उज्जैन में गोपाल मंदिर छत्री चौक स्थित कार्यक्रम में 79.27 करोड़ रूपये लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इनमें 25.15 करोड़ रूपये की लागत से रीगल टॉकीज के विकास कार्य, आगामी सिंहस्थ महापर्व के अंतर्गत 22.30 करोड़ रूपये की लागत से गदा पुलिया से रविशंकर नगर, जयसिंह पुरा होते हुए लालपुल ब्रिज तक मार्ग चौड़ीकरण कार्य और 31.83 करोड़ रूपये की लागत से गाड़ी अड्डा चौराहे से वी.डी क्लाथ मार्केट, निकास चौराहा, खजूर वाली मस्जिद, के.डी. गेट मार्ग वाया जूना सोमवारिया से बड़ी पुलिया तक मार्ग चौड़ीकरण कार्य का भूमिपूजन किया गया है। कार्यक्रम में रीगल टॉकीज के उन्नयन पर आधारित लघु फिल्प का प्रसारण भी किया गया। रीगल टॉकीज का निर्माण कार्य 36 हजार स्क्वेयर फीट क्षेत्र में किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन शहर का हर काल में विशेष महत्व रहा है। आगामी सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए विकास के कार्य निरंतर किये जा रहे हैं। आज उज्जैन को कुल 107 करोड़ रूपये के विकास कार्यों की सौगात मिली है। आगामी सिंहस्थ महापर्व में स्नान क्षिप्रा नदी के जल से ही होगा। सेवरखेडी - सिलारखेड़ी परियोजना से क्षिप्रा नदी में पूरे वर्ष जल रहेगा, क्षिप्रा सदैव प्रवहमान रहेगी। सिंहस्थ में सुगम आवागमन को ध्यान में रखते हुए शीघ्र ही उज्जैन को नई 4 लेन सड़क की सौगात मिलने वाली है।

आपसे कोई खफा है, लेकिन आप संभाल लेंगे; टैरिफ वॉर के बीच पीएम मोदी से बोले फिजी के प्रधानमंत्री

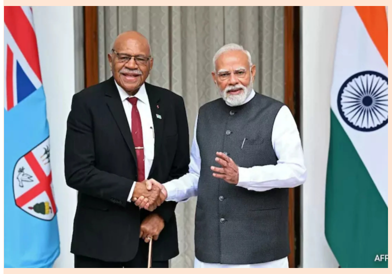

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी की तरफ से भारतीय सामान पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने के ऐलान के बाद फिजी के प्रधानमंत्री सितिवेनी लिगामामदा रबुका ने मंगलवार को कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी में ऐसी ताकत है कि वो इन दबावों का सामना कर सकते हैं।

रबुका ने नई दिल्ली में एक खास बातचीत में ये खुलासा किया, जब वो इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स की तरफ से सप्रु हाउस में ओशन ऑफ पीस पर अपने भाषण के बाद सवालों का जवाब दे रहे थे।

उन्होंने कहा, मैंने कुछ दिन पहले पीएम मोदी से बात की थी। मैंने उनसे कहा कि कोई आपसे खफा है, मगर आप इतने ताकतवर हैं कि इन मुश्किलों को आसानी से झेल सकते हैं।

फिजी और भारत का पुराना रिश्ता- रबुका का ये बयान उनके चार दिन के भारत दौरे के दौरान आया। इस दौरे में उनकी पत्नी सुलुवेती रबुका भी उनके साथ थीं। रविवार को नई दिल्ली में उनका शानदार स्वागत हुआ। इसके बाद 25 अगस्त को रबुका ने राजघाट पर फूल चढ़ाए और हैदराबाद हाउस में पीएम मोदी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों मुल्कों ने कई अहम समझौतों पर दस्तखत किए।

रबुका ने उसी दिन राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मुलाकात की।

अमेरिका से नहीं लेनी चाहिए भारत को प्रेरणा, थिएटर कमांड को लेकर वायुसेना प्रमुख ने किया आगाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर चीफ मार्शल ए. पी. सिंह ने मंगलवार को थिएटर कमांड की शुरुआत में जल्दबाजी न करने की चेतावनी देते हुए इस बात पर जोर दिया कि भारत को दूसरों की नकल करने के बजाय अपना मॉडल अपनाना चाहिए।

इसके साथ ही उन्होंने भविष्य के युद्धों की तैयारी के लिए चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी के अधीन दिल्ली में एक संयुक्त योजना और समन्वय केंद्र स्थापित करने का सुझाव दिया।

यह बहुत अच्छा विचार नहीं है- आर्मी वॉर कॉलेज में बोलते हुए, वायुसेना प्रमुख ने नए थिएटर कमांड बनाने में जल्दबाजी करने के खिलाफ चेतावनी दी और कहा कि इस समय सब कुछ अस्त-व्यस्त करके एक नया ढांचा बनाना बहुत अच्छा विचार नहीं है। इसके बजाय, उन्होंने दिल्ली में एक संयुक्त योजना और समन्वय केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव रखा, जिसे चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी के अधीन रखा जाए और जो संयुक्त रूप से निर्देश जारी करे।

उन्होंने कहा, मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि दिल्ली में एक संयुक्त योजना और समन्वय केंद्र होना जरूरी है।

अगर हमें कोई चुनौती देता है तो..., राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान पर फिर साधा निशाना; बताया भारत कैसे लड़ेगा युद्ध

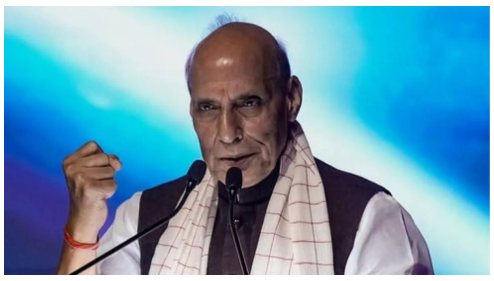

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार (27 अगस्त, 2025) को मध्य प्रदेश के महू में रण-संवाद 2025 कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने बताया कि आने वाले समय में युद्ध कैसे लड़ा जाएगा। साथ ही रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि भारत कभी पहले आक्रमण नहीं करता लेकिन अगर चुनौती मिलती है तो उसका पूरी ताकत के साथ जवाब दिया जाएगा।

राजनाथ सिंह ने कहा, कार्यक्रम का शीर्षक, रण संवाद, मुझे बहुत दिलचस्प लगा। यह नाम ही चिंतन और मनन का विषय है। एक ओर रण युद्ध और संघर्ष की कल्पना जगाता है तो दूसरी ओर संवाद संवाद, चर्चा और सुलह की ओर इशारा करता है। पहली नजर में, ये दोनों शब्द विरोधाभासी लगते हैं। जहां युद्ध है, वहां संवाद कैसे हो सकता है और जहां संवाद हो रहा है, वहां युद्ध कैसे हो सकता है? लेकिन गहराई से देखें तो यही नाम हमारे समय की सबसे प्रासंगिक सच्चाइयों में से एक को अपने में समेटे हुए है।

रण-संवाद का ऐतिहासिक आधार- रण-संवाद 2025 में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, रण-संवाद का भारत में एक ऐतिहासिक आधार भी है और यह मुझे हमारे इतिहास की कई घटनाओं की याद दिलाता है जो हमें दिखाती हैं कि कैसे सभ्यतागत युद्धों का अर्थ रण और संवादों का अर्थ संवाद होता है और भारत में ये दोनों आपस में गुंथे हुए थे। हमारी संस्कृति में, संवाद युद्ध से अलग नहीं है। यह युद्ध से पहले होता है। यह युद्ध के दौरान होता है और युद्ध के बाद भी जारी रहता है। उदाहरण के लिए, महाभारत को ही लें, युद्ध को रोकने के लिए, भगवान कृष्ण शांति के दूत के रूप में गए। वे संवाद करने गए ताकि युद्ध को टाला जा सके।÷

उन फैसलों का विवरण दें जो तीन महीने तक सुरक्षित रखे गए, पर सुनाए नहीं गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सभी हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को यह निर्देश दिया है कि वे अपने चीफ जस्टिस को उन फैसलों का विवरण दें जो तीन महीने तक सुरक्षित रखे गए हों, मगर सुनाए नहीं गए। कोर्ट ने फैसला सुनाने में देरी के ऐसे ही एक मामले को बेहद चौंकाने वाला बताया। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा एक आपराधिक मामले में दिसंबर, 2021 में फैसला सुरक्षित रखने के बावजूद उसे सुनाने में विफल रहने पर चिंता व्यक्त की।

सुप्रीम कोर्ट ने सभी हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को दिया निर्देश- पीठ ने कहा, यह बेहद चौंकाने वाला और आश्चर्यजनक है कि याचिका की सुनवाई की तारीख से लगभग एक साल तक फैसला नहीं सुनाया गया। इस कोर्ट को बार-बार ऐसे ही मामलों का सामना करना पड़ता है जिनमें हाईकोर्ट में कार्यवाही तीन महीने से ज्यादा समय तक लंबित रहती है। कुछ मामलों में तो छह महीने या सालों से भी ज्यादा समय तक मामले की सुनवाई के बाद भी फैसला नहीं सुनाया जाता।

जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा ने इस बात को रेखांकित किया कि ज्यादातर हाईकोर्ट में ऐसी व्यवस्था का अभाव है जिससे कोई वादी संबंधित पीठ या चीफ जस्टिस से संपर्क कर सके और देरी की बात उनके संज्ञान में ला सके। पीठ ने कहा, ऐसी स्थिति में वादी न्यायिक प्रक्रिया में अपना विश्वास खो देता है जिससे न्याय के उद्देश्य विफल हो जाते हैं।

मुंबई के वसई में बड़ा हादसा, चार मंजिला इमारत का हिस्सा ढहने से दो लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के वसई इलाके में एक अपार्टमेंट का एक हिस्सा ढह गया। इसमें दो लोगों की मौत हो गई। नारंगी रोड पर चामुंडा नगर और विजय नगर के बीच स्थित रमाबाई अपार्टमेंट की चार मंजिला इमारत का पिछला हिस्सा कल देर रात ढह गया।

ये इलाका मुंबई सबअर्बन का हिस्सा है, लेकिन पालघर जिले में पड़ता है। पालघर पुलिस ने कहा, वसई-विरार नगर निगम के अग्निशमन विभाग और एनडीआरएफ की दो टीमों की मदद से बचाव कार्य जारी है।

...तो दंगों में सारा गुजरात जल जाता, जानिए पीएम मोदी के किस फैसले के मुरीद हुए सिख नेता

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व राज्यसभा सांसद और सिख मामलों के जानकार तिरलोचन सिंह ने 2002 गुजरात दंगों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (उस वक्त के मुख्यमंत्री) की भूमिका की जमकर सराहना की है। उनका कहना है कि अगर पीएम मोदी ने इस मामले को नहीं संभाला होता तो पूरा गुजरात ही जल गया होता।

न्यूज एजेंसी एएनआई के पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, यह दंगा साबरमती एक्सप्रेस अग्निकांड से उपजे गुस्से का नतीजा था और अगर नरेंद्र मोदी ने इसे अच्छे से नहीं संभाला होता तो पूरा गुजरात ही जल गया होता।

जिंदा जले लोगों के शवों को गांव लेकर जाना चाहते थे परिजन

उन्होंने कहा, ट्रेन में जिंदा जले लोगों के शवों को उनके परिजन गांव ले जाकर अंतिम संस्कार करना चाहते थे, लेकिन नरेंद्र मोदी ने इन लोगों का अंतिम संस्कार वहीं करवा दिया। अगर ये शव गांवों तक पहुंच जाते तो सोचिए क्या होता? कितना गुस्सा भड़कता? पूरा गुजरात ही जल जाता लेकिन नरेंद्र मोदी ने साहस दिखाया और ऐसा नहीं होने दिया।

दंगों में नहीं थी सरकार की कोई भूमिका

सिख नेता ने कहा, 2002 का दंगा जनता के गुस्से से उपजा था और इसमें सरकार की कोई भूमिका नहीं थी। मोदी ने इतना बड़ा काम किया किसी ने इसे हाइलाइट नहीं किया। गौरतलब है कि गुजरात दंगों के दौरान नरेंद्र मोदी मुख्यमंत्री थे और तरलोचन सिंह अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष थे। उनका कहना है कि गुजरात दंगा 1984 में दिल्ली में हुए दंगों की तरह प्रायोजित नहीं थे।

खत्म नहीं हो रहा ट्रंप का टैन्ट्रम! टैरिफ के बाद अब विदेशी वर्कर्स को निशाने पर लेने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में रहने वाले लाखों विदेशी कर्मचारियों और छात्रों के लिए ट्रंप प्रशासन ने H-1B वीजा और ग्रीन कार्ड प्रोग्राम में भारी बदलाव की ओर इशारा किया है। यह बदलाव भारतीय कर्मचारियों और छात्रों को खास तौर पर प्रभावित करेगा। ॥-1क्कवीजा का 70त्न हिस्सा भारतीय छात्र हैं।

अमेरिकी वित्त मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने H-1B वीजा को धोखा बताया है और कहा कि अब अमेरिकी नौकरियों को अमेरिकी नागरिकों के लिए प्राथमिकता दी जाएगी। लुटनिक ने फॉक्स न्यूज से बात करते हुए कहा, H-1B प्रोग्राम को बदलना जरूरी है। औसत अमेरिकी सालाना 75,000 डॉलर कमाता है, जबकि ग्रीन कार्ड धारक 66,000 डॉलर। हम निचले स्तर के लोगों को क्यों चुन रहे हैं? अब ट्रंप प्रशासन गोल्ड कार्ड लाएगा, जिससे सबसे काबिल लोग देश में आएंगे।

H-1B लॉटरी खत्म, अब वेतन आधारित वीजा- ट्रंप प्रशासन H-1B वीजा की मौजूदा लॉटरी प्रणाली को खत्म करने की योजना बना रहा है। इसके बजाय, वीजा उन लोगों को मिलेगा जो ज़्यादा वेतन वाली नौकरियों में काम करते हैं।

इसका मतलब है कि कम वेतन वाली नौकरियों में काम करने वाले विदेशी कर्मचारी, जैसे नए स्नातक या छोटे व्यवसायों में काम करने वाले मुश्किल में पड़ सकते हैं। यह बदलाव पहले भी 2021 में प्रस्तावित था, लेकिन बाइडन प्रशासन ने इसे लागू नहीं किया।

इसके अलावा, ग्रीन कार्ड प्रक्रिया में भी बदलाव होंगे। ट्रंप का गोल्ड कार्ड प्रोग्राम एक नया विकल्प हो सकता है, जो मेधावी और उच्च वेतन वाले कर्मचारियों को प्राथमिकता देगा। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि ग्रीन कार्ड किसी को अमेरिका में हमेशा रहने का हक नहीं देता, जिससे ग्रीन कार्ड धारकों के भविष्य पर सवाल उठ रहे हैं।

पूरे समुदाय का क्यों उड़ाया जा रहा मजाक, भारतीय मूल के ऑस्ट्रेलियाई मेयर ने सोशल मीडिया पर निकाला गुस्सा; दिया इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर नस्लवादी टिप्पणियों का सामना करने के बाद, एक भारतीय मूल के प्रशासक ने एक ऑस्ट्रेलियाई शहर के मेयर पद से इस्तीफा दे दिया है। विक्टोरिया के मैरीबर्नॉन्ग के मेयर प्रदीप तिवारी पर लापरवाही से गाड़ी चलाने का आरोप लगाया गया है।

जैसे ही यह खबर इंटरनेट पर फैली, लोगों ने न केवल उन्हें बल्कि पूरे भारतीय समुदाय को निशाना बनाया। तिवारी ने अपनी भारतीय पृष्ठभूमि के बारे में की गई नस्लवादी टिप्पणियों की निंदा की और कहा कि लोगों की ओर से उनकी विरासत का मजाक उड़ाना अनुचित है।

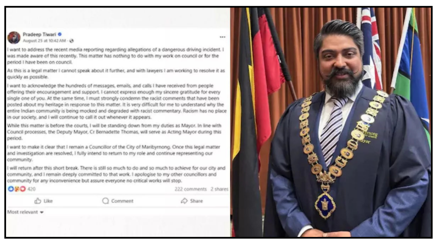

फेसबुक पर लिखा पोस्ट- उन्होंने एक फेसबुक पोस्ट में लिखा, मेरे लिए यह समझना बहुत मुश्किल है कि पूरे भारतीय समुदाय का नस्लवादी टिप्पणियों के जरिए मजाक क्यों उड़ाया जा रहा है और उन्हें अपमानित किया जा रहा है। उन्होंने कहा, नस्लवाद की हमारे समाज में कोई जगह नहीं है और जब भी यह सामने आएगा, मैं इसका विरोध करता रहूंगा।

मेयर पद से दिया इस्तीफा- उन्होंने कहा कि वह वर्तमान में अदालती कार्यवाही का सामना कर रहे हैं और तब तक, वह अस्थायी रूप से मेयर के रूप में अपनी जिम्मेदारियों से मुक्त रहेंगे। उन्होंने बताया कि इस दौरान, मेयर सीआर बर्नाडेट थॉमस कार्यवाहक मेयर के रूप में कार्य करेंगी।

हालांकि उन्होंने मेयर पद से अस्थायी रूप से इस्तीफा दे दिया है, फिर भी वे मैरीबर्नॉन्ग नगर परिषद के सदस्य हैं। तिवारी ने कहा कि कानूनी मामला और जांच पूरी होने के बाद वे मेयर पद पर वापस लौटने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं इस छोटे से अवकाश के बाद वापस आऊंगा।

उन्होंने आगे कहा, हमारे शहर और समुदाय के लिए अभी भी बहुत कुछ करना और हासिल करना बाकी है और मैं इस काम के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं।

चीन के डॉक्टरों ने किया कमाल, सुअर के फेफड़े को मानव में किया प्रत्यारोपित

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन के सर्जनों ने एक मस्तिष्क-मृत मानव प्राप्तकर्ता में सुअर के फेफड़े का सफलतापूर्वक प्रत्यारोपण किया है। डॉक्टर इसे जेनोट्रांसप्लांटेशन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मान रहे हैं। शोधकर्ताओं ने खुलासा किया है कि सर्जनों ने पहली बार एक आनुवंशिक रूप से संशोधित सुअर के फेफड़े को एक मृत मस्तिष्क वाले मानव प्राप्तकर्ता में प्रत्यारोपित किया है और पाया है कि यह नौ दिनों तक काम करता रहा। नेचर मेडिसिन पत्रिका में इसका विस्तृत विवरण दिया गया है। वहीं, इसे अब आनुवंशिक रूप से उपयोग में लेने को लेकर एक मामूली लेकिन आशाजनक कदम माना जा रहा है। यह ऑपरेशन मई 2024 में गुआंगजौ मेडिकल यूनिवर्सिटी के प्रथम संबद्ध अस्पताल में किया गया, जिसमें एक 39 वर्षीय पुरुष के बाएं फेफड़े को बदलना शामिल था, जिसे गंभीर मस्तिष्क रक्तस्राव हुआ था। सुअर का फेफड़ा, जिसे मानव ऊतक के साथ अपनी अनुकूलता बढ़ाने के लिए आनुवंशिक रूप से संशोधित किया गया था, इंसान में नौ दिनों तक कार्य करता रहा। इस अवधि के दौरान, अंग ने ऑक्सीजन और कार्बन डाइऑक्साइड का प्रभावी ढंग से आदान-प्रदान किया।

पाकिस्तान में बाढ़ का कहर, भारत की चेतावनी के बाद डेढ़ लाख लोग सुरक्षित स्थानों पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। भारत की ओर से पाकिस्तान को पहले ही सर्तक रहने की चेतावनी दे दी गई थी। इसके बाद किसी भी तरह की अनहोनी से बचने के लिए 1,50,000 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है।

पाकिस्तान भले ही भारत में आतंकवादियों को भेजता है और भारत में आतंक फैलाता है, लेकिन भारत ने इंसानियत के नाते पाकिस्तान को पहले ही चेतावनी दी थी, भले ही दोनों मुल्कों के रिश्ते तनावपूर्ण हों। सतलुज, रावी और चिनाब नदियों के किनारे बसे गांव खाली कराए जा रहे हैं, और पाकिस्तानी फौज राहत कार्यों में जुटी है।

थीन बांध के सभी गेट खोल दिए- पाकिस्तान की प्रांतीय आपदा प्रबंधन अथॉरिटी ने बताया कि भारत ने रावी नदी पर बने थीन बांध के सभी गेट खोल दिए हैं और माधोपुर बांध से भी पानी छोड़ने की तैयारी है।

सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला कि थीन बांध 97% तक भर चुका है, जिससे बाढ़ का खतरा बढ़ गया। भारत ने भारी बारिश के कारण अपने इलाकों में भयंकर बाढ़ की स्थिति को देखते हुए पाकिस्तान को आगाह किया।

भारत पर लागू हुआ ट्रंप का अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ, किन-किन सेक्टर पर होगा असर?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से रूसी तेल की खरीद के लिए भारत पर लगाया गया अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ बुधवार से लागू हो गया, जिससे नई दिल्ली पर लगाए गए शुल्कों की कुल राशि 50 प्रतिशत हो गई।

होमलैंड सिक्योरिटी विभाग (डीएचएस) ने सोमवार को प्रकाशित एक मसौदा आदेश में कहा कि बढ़े हुए शुल्क उन भारतीय उत्पादों पर लागू होंगे जो 27 अगस्त, 2025 को पूर्वी डेलाइट समयानुसार रात 12ः01 बजे या उसके बाद उपभोग के लिए प्रवेश किए गए हैं या उपभोग के लिए गोदाम से निकाले गए हैं।

70 और देशों पर भी लागू हुआ ट्रंप टैरिफ- ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत का पारस्परिक टैरिफ लगाने की घोषणा की थी जो 7 अगस्त को लागू हुआ, जिसके बाद लगभग 70 अन्य देशों पर भी टैरिफ लागू हो गया। 7 अगस्त को अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत की ओर से रूसी कच्चे तेल की खरीद के लिए भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ को दोगुना कर 50 प्रतिशत करने की घोषणा की, लेकिन समझौते पर बातचीत के लिए 21 दिन का समय दिया।

दबाव के आगे झुकेंगे नहीं- सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जोर देकर कहा कि वह किसानों, पशुपालकों, लघु उद्योगों के हितों से समझौता नहीं कर सकते। उन्होंने आगाह किया कि हम पर दबाव बढ़ सकता है, लेकिन हम इसे सहन करेंगे।

भारत पर अतिरिक्त टैरिफ के बारे में टिप्पणी करते हुए वॉशिंगटन डीसी स्थित बिजनेस कंसल्टिंग और सलाहकार फर्म द एशिया ग्रुप के वरिष्ठ सलाहकार मार्क लिनस्कॉट ने कहा कि दुर्भाग्यवश, अमेरिका और भारत व्यापार के मामले में जो वास्तविक और अभूतपूर्व जीत-जीत की स्थिति प्रतीत हो रही थी, उसे उल्लेखनीय हार में बदलने में कामयाब रहे हैं।

इतना टैरिफ लगाऊंगा कि सिर चकरा जाएगा, भारत या पाकिस्तान... ट्रंप ने किसे दी धमकी?

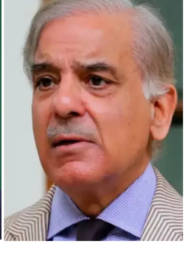

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हर बार की तरह एक बार फिर भारत-पाकिस्तान तनाव के दौरान सीजफायर का क्रेडिट लेने कोशिश की है। उन्होंने खुद की कैबिनेट को ही भारत-पाक संघर्ष में अपने रोल को लेकर मनगढंत किस्सा सुना दिया है। इस बार कहा कि उन्होंने भारत-पाक के बीच संभावित परमाणु युद्ध को रोक दिया। व्हाइट हाउस में कैबिनेट बैठक के दौरान ट्रंप ने कहा कि उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पाकिस्तानी नेताओं से बात की और दोनों को भारी व्यापारिक टैरिफ की चेतावनी दी। ट्रंप ने दावा किया कि उनकी इस सख्ती ने दोनों देशों को पीछे हटने पर मजबूर किया। ट्रंप ने कहा, मैंने पीएम मोदी से बात की, जो बहुत शानदार इंसान हैं। मैंने पूछा, 'पाकिस्तान के साथ क्या मसला है?' फिर मैंने पाकिस्तान से भी बात की। ये झगड़ा बरसों से, बल्कि सदियों से चला आ रहा है। ट्रंप भले ही कई बार ये कहते आ रहे हैं कि भारत और पाकिस्तान सैंकड़ों साल से आपसी विवादों से घिरे रहे हैं, लेकिन गौरतलब है कि दोनों देश को आजाद हुए अभी 80 साल भी नहीं हुए हैं। आजादी से पहले पाकिस्तान भारत का ही हिस्सा था। इतना टैरिफ लगाऊंगा कि सिर चकरा जाएगा- ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने पाकिस्तान को साफ कह दिया कि अगर तनाव कम नहीं हुआ तो अमेरिका कोई व्यापारिक सौदा नहीं करेगा। उन्होंने कहा, मैंने कहा, अगर तुम लोग परमाणु जंग की ओर गए, तो हम तुम पर इतने भारी टैरिफ लगाएंगे कि तुम्हारा सर चकरा जाएगा।

मोदी शानदार इंसान..., प्रधानमंत्री के चीन दौरे से पहले आया ट्रंप का रिएक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु जंग को रोकने में अहम भूमिका निभाई।

व्हाइट हाउस में कैबिनेट मीटिंग के दौरान ट्रंप ने कहा कि उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की और पाकिस्तान को चेतावनी दी कि अगर तनाव जारी रहा तो व्यापारिक सौदे ठप हो जाएंगे। ट्रंप ने दावा किया कि उनकी इस चेतावनी के बाद कुछ ही घंटों में दोनों देशों के बीच तनाव खत्म हो गया।

ट्रंप ने यह भी कहा कि भारत-पाकिस्तान के बीच यह तनाव लंबे वक्त से चला आ रहा है, जिसे उन्होंने अपनी कूटनीति और व्यापारिक दबाव से रोका। लेकिन भारत ने साफ कर दिया है कि इस मसले में किसी तीसरे पक्ष की कोई भूमिका नहीं थी।

मैंने पाकिस्तान से कहा कि अगर- ट्रंप ने व्हाइट हाउस में कहा, मैंने मोदी से बात की, जो बहुत शानदार इंसान हैं। मैंने पूछा, पाकिस्तान के साथ क्या हो रहा है? फिर मैंने पाकिस्तान से भी बात की और कहा कि अगर तुम लोग युद्ध की ओर बढ़े तो कोई व्यापारिक सौदा नहीं होगा। ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने पाकिस्तान को ऊंची टैरिफ की धमकी दी और कहा, तुम्हारा दिमाग चकरा जाएगा, लेकिन मैं युद्ध नहीं होने दूंगा। उनके मुताबिक, इस चेतावनी के पांच घंटे बाद ही मामला सुलझ गया।

मुंबई से कोंकण का सफर अब होगा सुहाना, जल्द शुरू होगी रो-रो फेरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई से कोंकण की सैर अब और आसान होने वाली है। रो-रो (रोल-ऑन/रोल-ऑफ) फेरी सेवा की शुरुआत 1 सितंबर से हो रही है। ये मुंबई से रत्नागिरी के जयगढ़ को सिर्फ 3-4 घंटे में और सिंधुदुर्ग के विजयदुर्ग को 5-6 घंटे में जोड़ेगी।

यह सेवा सड़क के लंबे और थकाऊ सफर को करीब आधा कर देगी। कोंकण रेलवे और मुंबई-गोवा हाईवे के बाद अब समुद्री रास्ता कोंकण के लोगों के लिए नया तोहफा होगा। जहाजरानी मंत्री नितेश राणे ने इस फेरी का निरीक्षण किया और इसे कोंकण की शान बताया है। मुंबई के भाऊ चा धक्का टर्मिनल से चलेगी फेरी

इस सेवा की शुरुआत पहले गणेश चतुर्थी से होने वाली थी, लेकिन खराब मौसम के कारण इसे टालकर 1 सितंबर को शुरू किया जा रहा है।

राणे ने बताया कि मौसम अब ठीक हो रहा है और अगले पांच दिन में टेस्ट रन के बाद फेरी भाऊ चा धक्का टर्मिनल (मुंबई) से सुबह 6ः30 बजे चलेगी। यह खबर उन लोगों के लिए खुशखबरी है जो कोंकण की खूबसूरती को जल्दी और आराम से देखना चाहते हैं।

सफर का समय आधा, सुविधा दोगुनी- रो-रो फेरी का सबसे बड़ा फायदा है इसका समय। सड़क से मुंबई से विजयदुर्ग पहुंचने में 10-12 घंटे लगते हैं, लेकिन फेरी से यह सफर सिर्फ 5-6 घंटे का होगा।

वहीं, मुंबई से जयगढ़ का रास्ता 3-4 घंटे में पूरा हो जाएगा। यह फेरी न सिर्फ लोगों को बल्कि उनकी गाड़ियों को भी ले जाएगी, जिससे आगे का सफर और आसान होगा। फेरी में 50 चार-पहिया और 30 दो-पहिया वाहन ले जाए जा सकते हैं।

यह सेवा मुंबई और मांडवा (अलीबाग) के बीच चल रही एक घंटे की रो-रो फेरी की तरह ही है, जो मार्च 2020 में शुरू हुई थी और बेहद कामयाब रही।

केरल में मंदिर में आई फेमस मुस्लिम व्लागर, तालाब में पैर धोकर चली गई...

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के गुरुवायूर स्थित प्रसिद्ध श्रीकृष्ण मंदिर में मंगलवार को एक शुद्धिकरण अनुष्ठान किया गया। यह अनुष्ठान एक गैर हिंदू व्लागर द्वारा मंदिर के पवित्र तालाब पर हाल ही में बनाए गए वीडियो के बाद किया गया। कहा गया है कि उसने पवित्र तालाब का वीडियो बनाते समय अपने पैर धोये थे। मंदिर सूत्रों के अनुसार, शुद्धिकरण अनुष्ठान के मद्देनजर मंदिर में दर्शन दोपहर 1.30 बजे तक प्रतिबंधित था।

उन्होंने बताया कि शुद्धिकरण अनुष्ठान के तहत शीवेली नामक एक जुलूस निकाला गया और अन्य पूजा भी आयोजित की गई। श्रीकृष्ण मंदिर का प्रबंधन करने वाले गुरुवायूर देवस्वोम ने सोमवार को शुद्धिकरण अनुष्ठान की घोषणा की थी। एक पोस्ट में देवस्वोम ने कहा था कि एक गैर-हिंदू महिला ने पवित्र तालाब में प्रवेश कर वीडियो बनाया था। यह धार्मिक रूप से सही नहीं था। इस मामले के तूल पकड़ने के बाद महिला ने इंटरनेट मीडिया से अपनी इस पोस्ट को हटा लिया है। इसके लिए उसने माफी भी मांगी है। कर्नाटक सरकार द्वारा मैसूर में दशहरा उत्सव के उद्घाटन के लिए बुकर पुरस्कार विजेता लेखिका और कार्यकर्ता बानू मुश्ताक को दिया गया आमंत्रण कांग्रेस बनाम भाजपा की लड़ाई में तब्दील होता जा रहा है।

पानी का सैलाब और दुर्लभ ऑपरेशन, माधोपुर हेडवर्क्स के पास फंसे CRPF के जवानों और नागरिकों को सेना ने ऐसे बचाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब में भारी बारिश के चलते रावी नदी उफान पर है। माधोपुर हेडवर्क्स के पास बनी इमारतों को भारी नुकसान पहुंचा है। यहां कल से सीआरपीएफ के जवान और कुछ नागरिक फंसे हुए थे। सेना ने विषम परिस्थितियों में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर इन्हें बचाया है।

भारतीय सेना ने कहा कि एक त्वरित और साहसिक अभियान में, भारतीय सेना विमानन ने कल से माधोपुर हेडवर्क्स (पंजाब) के पास फंसे 22 सीआरपीएफ कर्मियों और तीन नागरिकों को सुरक्षित निकाला। आज सुबह 6 बजे, चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद, सेना विमानन के हेलीकॉप्टर बचाव कार्य के लिए रवाना हुए। सभी फंसे हुए लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया।

जम्मू कश्मीर बॉर्डर माधोपुर (पठानकोट) में कई सालों से चेकिंग के लिए लगाया पुलिस नाका देर रात वहां से हटा लिया गिया। रावी नदी का पानी ओवर फ्लो होकर नाके के पास आने लगा था। इसके अलावा जम्मू नेशनल हाईवे को भई बंद कर दिया गया है।

सुजानपुर में राष्टीय राज्यमार्ग पर पानी का भराव हो गया और इसके बाद एनडीआरएफ टीम मौके पर पहुंची है। रावी नदी माधोपुर (पठानकोट) में कटाव के चलते यूबीडीसी नहर में ज्यादा पानी आ गया। ऐसे में नेशनल हाईवे 44 पानी भर गया। फिलहाल हाईवे पर वाहनों की आवाजादी पर रोक लगा दी गई है।

अभिनेता से नेता बने थलपति विजय विवादों में, TVK की रैली में बाउंसर ने कार्यकर्ताओं को उठाकर फेंका; केस दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख और अभिनेता विजय के खिलाफ मदुरै में एक पार्टी कार्यक्रम में एक व्यक्ति के साथ मारपीट करने का मामला दर्ज किया गया है।

शिकायतकर्ता, सरथ कुमार ने आरोप लगाया है कि जब उन्होंने अभिनेता को करीब से देखने की कोशिश की तो विजय के बाउंसरों ने उनके साथ मारपीट की। यह घटना 2026 में होने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनावों से पहले मदुरै में विजय की राजनीतिक रैली के दौरान हुई।

घटना का वीडियो वायरल- 21 अगस्त की रैली के एक वीडियो में टीवीके प्रमुख विजय को रैंप पर चलते हुए देखा जा सकता है, जबकि लाखों लोग किनारे खड़े होकर राजनेता को देखकर हाथ हिला रहे हैं और जयकार कर रहे हैं। सात मिनट लंबे वीडियो की शुरुआत में, एक व्यक्ति को रैंप से नीचे धकेलते हुए देखा जा सकता है। जैसे ही विजय रैंप पर आगे बढ़ते हैं, कई फैंस राजनेता का अभिवादन करने के लिए मंच पर कूद पड़ते हैं, लेकिन बाउंसर उन सभी को धक्का देकर दूर कर देते हैं।

विजय पर क्या लगा है आरोप- शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि विजय को घेरे हुए बाउंसरों ने उसके साथ मारपीट की और उसे धक्का देकर फेंक दिया। उसने मंगलवार को पेरम्बलूर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। विजय और उसके बाउंसरों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 189(2), 296(बी) और 115(आई) के तहत मामला दर्ज किया गया है। इसमें गैरकानूनी रूप से इकट्ठा होना और मृत्युदंड या आजीवन कारावास से दंडनीय अपराध के लिए उकसाना शामिल है।

पत्रकारों की हत्या चौंकाने वाली, गाजा के अस्पताल में हमले के बाद आया भारत का रिएक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। गाजा के नासेर अस्पताल में इजरायली हमले में पांच पत्रकारों सहित 21 लोगों की मौत ने दुनिया को झकझोर कर रख दिया है। भारत ने इस हमले को हैरान करने वाला और गहरा अफसोसजनक बताया है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत हमेशा से युद्ध में आम नागरिकों की मौत की निंदा करता रहा है। इस हमले में अल जजीरा के मोहम्मद सलामा, रॉयटर्स के कैमरामैन हुसाम अल-मसरी और फ्रीलांस पत्रकार मारियाम अबु दक्का की जान गई। यह हमला डबल-टैप अटैक था, जिसमें एक के बाद एक दो हमले किए गए। भारत ने हमले की निंदा की

भारत ने इस घटना पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि पत्रकारों की हत्या निंदनीय है। जायसवाल ने बताया कि इजरायली अधिकारियों ने इस हमले की जांच शुरू कर दी है।

दूसरी ओर, इजरायल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने इसे दुखद भूल करार देते हुए पत्रकारों, मेडिकल स्टाफ और आम नागरिकों के काम को अहम बताया है। लेकिन सवाल यह है कि आखिर यह हमला हुआ क्यों और इसके पीछे की वजह क्या थी?

कैसे हुआ हमला- इजरायल की सेना (आईडीएफ) ने दावा किया कि नासेर अस्पताल के परिसर में हमास ने एक सर्विलांस कैमरा लगाया था, जो उनकी गोलानी ब्रिगेड की गतिविधियों पर नजर रख रहा था।

इस कैमरे को नष्ट करने के लिए ड्रोन हमला किया गया। इसके बाद सैनिकों को लगा कि वहां राइफल स्कोप है, जिसे उन्होंने तत्काल खतरा समझा और टैंक से चार गोलों की फायरिंग की। इजरायल का कहना है कि मारे गए 21 लोगों में से 6 आतंकी थे, जिनमें एक वह शख्स भी था, जो 7 अक्टूबर 2023 के हमले में शामिल था।

लेकिन यह दावा कई सवाल खड़े करता है। अल जजीरा के पत्रकार तारिक अबु अज्जौम ने बताया कि इस हमले ने पूरे इलाके में दहशत फैला दी।

डीके शिवकुमार के बयान पर सियासी बवाल, केंद्रीय मंत्री ने किया पलटवार, बोलीं- मंदिर सेक्युलर जगह नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक में मशहूर दशहरा उत्सव की शुरुआत को लेकर सियासत गरमा गई है। राज्य सरकार ने बुकर पुरस्कार विजेता लेखिका और सामाजिक कार्यकर्ता बानु मुश्ताक को मैसूर के दशहरा उत्सव का उद्घाटन करने के लिए आमंत्रित किया, लेकिन यह फैसला अब कांग्रेस और बीजेपी के बीच सियासी जंग का कारण बन गया है।

अब केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के उस बयान पर कड़ा ऐतराज जताया, जिसमें उन्होंने कहा कि चामुंडेश्वरी मंदिर सिर्फ हिंदुओं की संपत्ति नहीं है। इस बयान ने सियासी तूफान खड़ा कर दिया है।

बानु मुश्ताक की किताब हृदय दीप ने इस साल बुकर पुरस्कार जीता है। लेकिन बीजेपी ने उनके न्योते को लेकर सवाल उठाया था, यह कहते हुए कि एक मुस्लिम लेखिका को हिंदू धार्मिक उत्सव के उद्घाटन के लिए क्यों चुना गया?

शोभा करंदलाजे का तीखा हमला- शोभा करंदलाजे ने एक्स पर लिखा, डी.के. शिवकुमार का यह कहना कि चामुंडेश्वरी मंदिर हिंदुओं का नहीं है, बेहद निंदनीय है। उन्होंने कांग्रेस पर हिंदू-विरोधी होने का आरोप लगाया और कहा कि मंदिर कोई सेक्युलर जगह नहीं, बल्कि हिंदुओं की पवित्र संस्था है।

करंदलाजे ने यह भी कहा कि कांग्रेस का यह कदम उनकी हिंदू-विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने बानु मुश्ताक के न्योते पर भी सवाल उठाए, यह पूछते हुए कि क्या वह हिंदू देवी-देवताओं में विश्वास रखती हैं?

इसके जवाब में शिवकुमार ने कहा, हिंदू मंदिरों में अल्पसंख्यक भी आते हैं। हम मस्जिदों और चर्चों में भी जाते हैं। इसे कौन रोक सकता है? उन्होंने यह भी जोड़ा कि दशहरा सभी समुदायों का त्योहार है और चामुंडी पहाड़ी व देवी चामुंडेश्वरी सबके लिए हैं, न कि सिर्फ हिंदुओं की।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

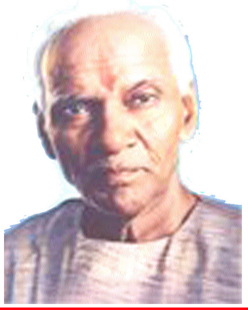

विक्रम संवत 2079 शुक्ल पंचमी

संपादकीय

भारत आज केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं है,बल्कि यह विश्व के लिए आशा,स्थिरता और अवसरों का केंद्र है...

वैश्विक स्तरपर भारत आज केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं है,बल्कि यह विश्व के लिए आशा,स्थिरता और अवसरों का केंद्र बन चुका है। भारत आज जिस मुकाम पर खड़ा है, उसे केवल एक राष्ट्र की उपलब्धि कहना कम होगा।यह 21वीं सदी के उस नए युग की शुरुआत है यह स्वतंत्रता के 75 से अधिक वर्षों की यात्रा में भारत ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि, लोकतंत्र केवल एक शासन पद्धति नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र की आत्मा है। इसके साथ ही,भारत की जनसांख्यिकी और विशाल स्किल्ड वर्कफोर्स ने उसे ऐसे मुकाम पर ला खड़ा किया है, जहां से वह न केवल अपने नागरिकों के भविष्य को संवार सकता है,बल्कि पूरे विश्व के विकास की दिशा भी तय कर सकता है। लोकतंत्र की शक्ति, जनसांख्यिकीय लाभ और स्किल्ड वर्कफोर्स की क्षमता पर आधारित है, जिनकी वजह से भारत और उसके वैश्विक साझेदारों के बीच हर रिश्ते को ÷विन-विन सिचुएशन÷ के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।

साथियों बात अगर हम भारत की पहली सबसे बड़ी ताकत की करें तो,भारत दुनियाँ का सबसे बड़ा लोकतंत्र है।1950 में संविधान लागू होने के बाद से आज तक भारत ने चुनावों के जरिए सत्ता परिवर्तन, नीति निर्माण और नागरिक अधिकारों को जिस मजबूती से कायम रखा है, वह विश्व के लिए उदाहरण है। लोकतंत्र का अर्थ केवल सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नागरिक भागीदारी, न्याय व्यवस्था की स्वतंत्रता और पारदर्शी शासन की नींव पर खड़ा है। विविधता में एकता इसका सबसे बड़ा परिचायक है, जहां 22 आधिकारिक भाषाएँ, हजारों बोलियाँ, सैकड़ों धर्म-संप्रदाय और अलग-अलग संस्कृतियाँ होने के बावजूद लोग लोकतांत्रिक रूप से एकजुट रहते हैं। भारत का लोकतंत्र वैश्विक कंपनियों के लिए एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करता है क्योंकि वे जानती हैं कि यहां नीतियाँ पारदर्शी हैं, कानून का शासन है और निवेशकों के हितों की रक्षा की जाती है।दुनिया के कई हिस्सों में अधिनायकवाद और राजनीतिक अस्थिरता देखने को मिलती है। अफ्रीकी और एशियाई देशों में सत्ता परिवर्तन अक्सर हिंसा और अराजकता का कारण बनते हैं।इसके विपरीत भारत ने अपने लोकतांत्रिक ढांचे से स्थिरता का माहौल तैयार किया है। यही कारण है कि विश्व की बड़ी कंपनियाँ भारत को ÷सेफ़ हैवन÷ के रूप में देखती हैं। चीन या रूस जैसे देशों में निवेश करने पर राजनीतिक जोखिम अधिक होता है, जबकि भारत में लोकतंत्र यह सुनिश्चित करता है कि नीतियाँ स्थिर रहें और निवेश सुरक्षित रहे। यह लोकतंत्र की वही शक्ति है जो भारत को अलग पहचान दिलाती है।

साथियों बात अगर हम भारत की दूसरी सबसे बड़ी ताक़त की करें तो वह है उसकी जनसांख्यिकी।वर्तमान समय में भारत की आबादी लगभग 1.43 अरब है और इसमें से 65 पेर्सेंट से अधिक लोग 35 वर्ष से कम आयु वर्ग में आते हैं। यह स्थिति भारत को दुनियाँ की सबसे युवा आबादी वाला देश बनाती है। युवा आबादी किसी भी राष्ट्र के लिए ऊर्जा, नवाचार और विकास का प्रतीक होती है। जब यूरोप और जापान जैसे विकसित देश बूढ़ी होती आबादी की समस्या से जूझ रहे हैं, तब भारत के पास एक ऐसा डेमोग्राफिक एडवांटेज है जो उसे वैश्विक अर्थव्यवस्था का इंजन बना सकता है।भारत की युवा पीढ़ी तकनीक अपनाने में सबसे आगे है। वे न केवल नई तकनीकों को अपनाते हैं बल्कि स्टार्टअप्स और उद्यमिता की ओर भी बढ़ रहे हैं। यही कारण है कि भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है।

नारायण गुरु

नारायण गुरु भारत के महान संत एवं समाज सुधारक थे। कन्याकुमारी में मारुतवन पहाड़ों की एक गुफा में उन्होंने तपस्या की थी। गौतम बुद्ध को गया में पीपल के पेड़ के नीचे बोधि की प्राप्ति हुई थी। नारायण गुरु को उस परम की प्राप्ति गुफा में हुई। समाज सुधारक नारायण गुरु द्वारा स्थापित शिवगिरि मठ पहाड़ी की चोटी पर स्थित है और उनकी समाधि केरल में सबसे प्रसिद्ध स्मारकों में से एक है। नारायण गुरु को श्री नारायण गुरु के नाम से भी जाना जाता है। उनका जन्म एझावा जाति के परिवार में हुआ था। केरल के जाति-ग्रस्त समाज में उन्हें बहुत अन्याय का सामना करना पड़ा। उन्होंने केरल में सुधार आंदोलन का नेतृत्व किया, जातिवाद को खारिज कर दिया और आध्यात्मिक स्वतंत्रता और सामाजिक समानता के नए मूल्यों को बढ़ावा दिया। नारायण गुरु ने मंदिरों और शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना के माध्यम से अपने स्वयं के प्रयासों से दलितों के आध्यात्मिक और सामाजिक उत्थान की आवश्यकता पर जोर दिया।

जन्म

श्री नारायण गुरु का जन्म केरल के तिरुअनंतपुरम के उत्तर में 12 किलोमीटर दूर एक छोटे से गाँव में सन 1855 में हुआ था। स्वयं पिछड़ी जाति के होने के कारण वे इस समुदाय के दुःख दर्द को समझते थे। इनका घर का नाम नानु था। ये बचपन से ही बहुत नटखट थे। उनके पिता मदन असन एक किसान थे, वे प्रसिद्ध आचार्य (गुरुकुल के) और संस्कृत के विद्वान थे, आयुर्वेद और ज्योतिष के ज्ञाता भी थे। श्री नारायण गुरु की मां एक सरल महिला थीं। अपने माता-पिता की चार संतानों में एकमात्र बालक थे नारायण अथवा नानू'।

शिक्षा

नानू एक आम बालक की तरह पले-बढ़े। 5 वर्ष की आयु में उन्हें गांव के स्कूल में प्राथमिक शिक्षा के लिए भर्ती किया गया। वहां उन्होंने संस्कृत भी पढ़ी। प्राथमिक शिक्षा के बाद नानू ने घर पर रहकर खेती और घरेलू कामकाज में हाथ बंटाया। वे प्रतिदिन संस्कृत काव्य पाठ करते थे। वे मंदिर में पूजा और एकांत में ध्यान भी करते थे। 14 वर्ष की आयु में वे नानू भक्त' के नाम से प्रसिद्ध हो गए। 15 वर्ष की आयु में माता के देहान्त के बाद उनके मामा कृष्ण वेदयार (आयुर्वेदाचार्य) ने उनकी देखभाल की। कृष्ण वेदयार को अपने भांजे की अप्रतिम प्रतिभा का जल्दी ही पता लग गया। अत¬ नानू को उच्च शिक्षा के लिए करूनगपल्ली में एक योग्य अध्यापक रमण पिल्लै असन के पास भेज दिया। रमण पिल्लै एक सवर्ण हिन्दू थे। चूंकि नानू जन्म से अछूत थे, अत¬ उन्हें अपने गुरु के घर के बाहर रहकर अध्ययन करना पड़ा। नानू एक प्रतिभाशाली विद्यार्थी सिद्ध हुए और उन्होंने अपने सभी साथियों से आगे निकलकर शिक्षकों के सामने संस्कृत में अपनी विद्वता सिद्ध कर दी। संस्कृत में उच्च शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात् 1881 में नानू अत्यधिक बीमार पड़ गये और उन्हें वापस घर लौटना पड़ा।

संघर्ष का दौर

रोगमुक्त होने के बाद उन्होंने अपने पैतृक गांव में और आस-पास के क्षेत्रों में छोटे-छोटे विद्यालय खोलने का निर्णय लिया। यहीं से उन्होंने स्थानीय समाज के बालकों, विशेषकर पिछड़े वर्ग के बालकों में ज्ञान और शिक्षा का प्रसार आरम्भ किया। वस्तुत¬ यह दौर उनके जीवन में कड़े मानसिक संघर्ष का दौर रहा। एक ओर तो उन्हें परिवार के भरण-पोषण की चिंता करनी थी तो दूसरी ओर उनके भीतर आध्यात्मिक उन्नयन और यथार्थ के अनुभव को पाने की तीव्र उत्कंठा हिलोरें मार रही थी। उनके सब कामों पर उन्मुक्त आध्यात्मिक जीवन की तीव्र इच्छा की झलक दिखने लगी थी। अत¬ चिंतित रिश्तेदारों ने उनकी सोच में बदलाव की दृष्टि से उनके विवाह का निश्चय किया। 28 वर्ष की आयु में श्री नारायण गुरु की इच्छा के विरुद्ध जबर्दस्ती उनका विवाह कर दिया गया।

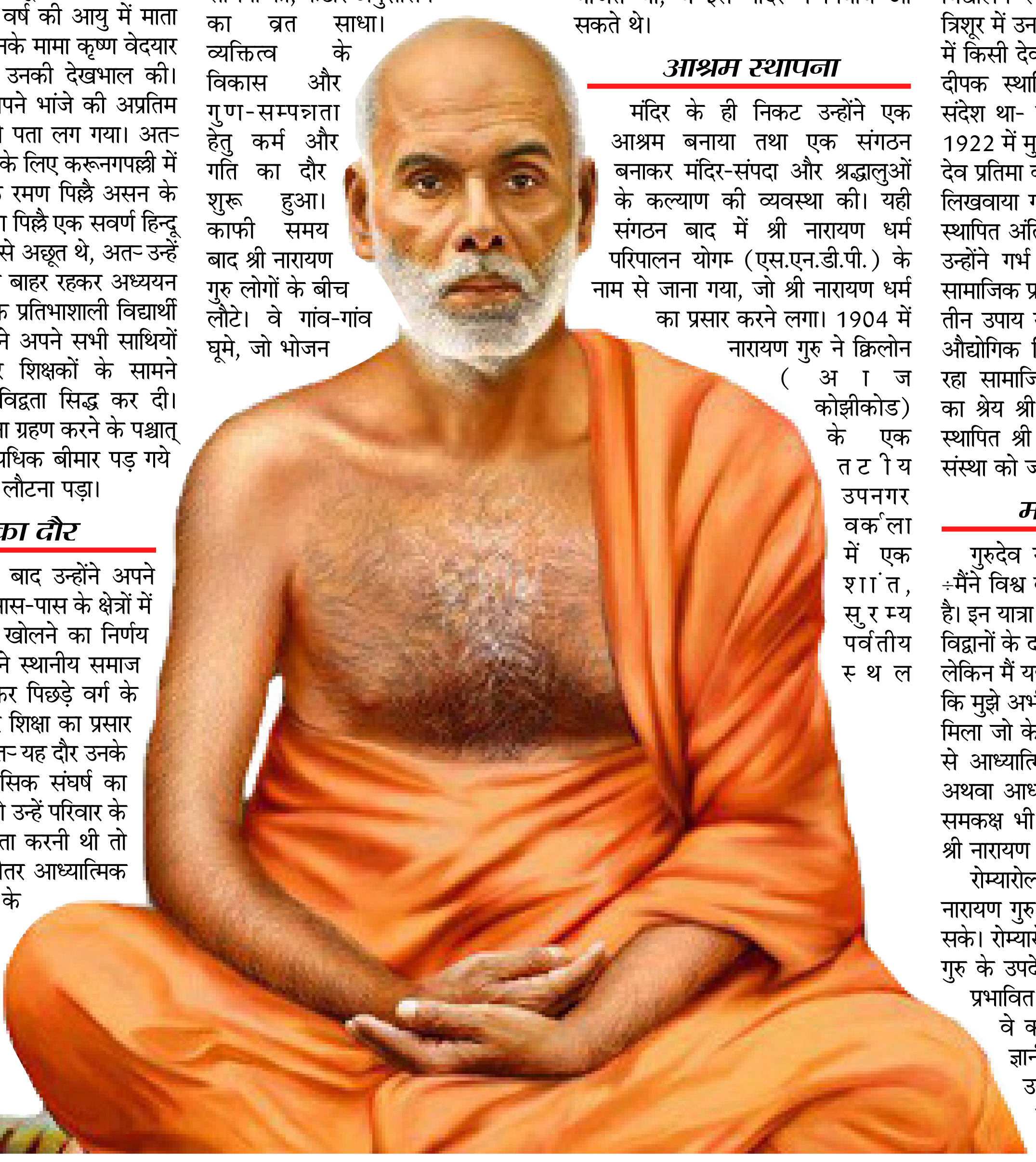

गृह त्याग

घर का त्याग करके नानू आध्यात्मिक ज्ञान की खोज में निकल गए। उन्होंने योग शिक्षा ली, मारूतवमलै की गुफाओंमें साधना की, कठोर अनुशासन का व्रत साधा। व्यक्तित्व के विकास और गुण-सम्पन्नता हेतु कर्म और गति का दौर शुरू हुआ। काफी समय बाद श्री नारायण गुरु लोगों के बीच लौटे। वे गांव-गांव घूमे, जो भोजन मिला, उसे खाया; समाज के अंतिम व्यक्ति के साथ रहे, पिछड़े वर्ग से घुले-मिले। सभी लोग उनसे प्रभावित हुए, उनके प्रति श्रद्धा जगी। समाज कार्य में सबसे पहले श्री नारायण गुरु ने तिरुअनंतपुरम से 20 कि.मी. दक्षिण में आरूविपुरम में नेय्यार नदी के तट पर 1888 में शिव मंदिर की स्थापना की और इस मान्यता को ठुकरा दिया कि केवल एक ब्राह्मण ही पुजारी हो सकता है। हिन्दू मंदिरों में जिनका प्रवेश वर्जित था, वे इस मंदिर में निर्बाध आ सकते थे।

आश्रम स्थापना

मंदिर के ही निकट उन्होंने एक आश्रम बनाया तथा एक संगठन बनाकर मंदिर-संपदा और श्रद्धालुओं के कल्याण की व्यवस्था की। यही संगठन बाद में श्री नारायण धर्म परिपालन योगम् (एस.एन.डी.पी.) के नाम से जाना गया, जो श्री नारायण धर्म का प्रसार करने लगा। 1904 में नारायण गुरु ने क्विलोन (आज कोझीकोड) के एक तटीय उपनगर वर्कला में एक शांत, सुरम्य पर्वतीय स्थल शिवगिरि में अपनी सार्वजनिक गतिविधियां केन्द्रित कीं। 1928 में अपनी महासमाधि तक श्री गुरु ने यहीं रहकर साधना की थी। शिवगिरि में नारायण गुरु ने दो मंदिरों और एक मठ की स्थापना की। शिवगिरि आकर ही रबींद्रनाथ टैगोर और महात्मा गांधी ने श्री नारायण गुरु के दर्शन किए थे।

श्री गुरु ने अलवाय में 1913 में अद्वैत दर्शन के प्रचार-प्रसार के लिए एक अद्वैत आश्रम की स्थापना की। यहां एक संस्कृत विद्यालय स्थापित किया गया। 1920 में त्रिशूर में उनके द्वारा स्थापित कारामुक्कू मंदिर में किसी देवता की प्रतिमा नहीं बल्कि एक दीपक स्थापित किया गया था, जिसका संदेश था- चहुंओर प्रकाश ही प्रकाश हो। 1922 में मुरुक्कुमपुझा में बनाए गए मंदिर में देव प्रतिमा की जगह सत्य, धर्म, प्रेम, दया' लिखवाया गया था। 1924 में उनके द्वारा स्थापित अंतिम मंदिर कलवनकोड मंदिर में उन्होंने गर्भ गृह में एक दर्पण लगवाया। सामाजिक प्रगति के लिए श्री नारायण गुरु ने तीन उपाय सुझाए थे- संगठन, शिक्षा और औद्योगिक विकास। आज केरल में दिख रहा सामाजिक-आर्थिक-शैक्षणिक विकास का श्रेय श्री नारायण गुरु और उनके द्वारा स्थापित श्री नारायण धर्म परिपालन योगम् संस्था को जाता है।

महापुरुष कथन

गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर ने लिखा है- ÷मैंने विश्व के विभिन्न स्थानों की यात्रा की है। इन यात्रा के दौरान मुझे अनेक संतों और विद्वानों के दर्शन करने का अवसर मिला है। लेकिन मैं यह स्पष्ट रूप से स्वीकार करता हूँ कि मुझे अभी तक कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं मिला जो केरल के स्वामी श्री नारायण गुरु से आध्यात्मिक रूप से अधिक महान हो अथवा आध्यात्मिक उपलब्धियों में उन के समकक्ष भी हो। गुरुदेव टैगोर और स्वामी श्री नारायण गुरु की भेंट 1922 में हुई थी।

रोम्यारोला जब भारत आए तो वे भी नारायण गुरु से प्रभावित हुए बिना नहीं रह सके। रोम्यारोलां ने लिखा है- ÷श्री नारायण गुरु के उपदेश आचार्य शंकर के दर्शन से प्रभावित थे। यह कहा जा सकता है कि वे कर्मशील, धार्मिक तथा बौद्धिक ज्ञानी थे। उन्हें 'स्व' का ज्ञान था। उन्हें सामाजिक आवश्यकता की जानकारी और लोगों की नब्ज की पहचान थी।

इधर ट्रंप टैरिफ का खूब हो रहा हल्ला, उधर चीन-रूस कितना लगा रहे सीमा शुल्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में ट्रंप टैरिफ का पिछले कई महीनों से हल्ला है। अमेरिका को निर्यात किए जाने वाले भारत के उत्पादों पर 50% टैरिफ आज से लागू हो चुकी है। अमेरिका का आरोप है कि रूस के साथ भारत का कच्चे तेल का व्यापार यूक्रेन के खिलाफ युद्ध के लिए अप्रत्यक्ष रूप से बढ़ावा देना है। वहीं दूसरी तरफ अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ वार गहरा रहा है।

इस बीच अमेरिका क्या आप जानते हैं कि अमेरिका के अलावा हमारे दो बड़े व्यापारिक साझेदार चीन और रूस भारतीय वस्तुओं पर कितना सीमा शुल्क लगाते हैं?

भारत पर चीन कितना लगाता है सीमा शुल्क - भारत से चीन जाने वाले उत्पादों पर लगने वाली ड्यूटी अगल-अलग उत्पाद अलग दरें तय की गई हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे स्मार्टफोन पर 0% से 10% तक का टैरिफ लगता है जिसे साल 2025 में स्मार्टफोन पर शुल्क घटाकर 5% कर दिया गया। वहीं टेक्सटाइल और कपड़ों पर 10% से 25% का टैरिफ चीन लगाता है। इसके अलावा मशीनरी पर 5त्न से 15% तक टैरिफ लगाता है।लग्जरी प्रोडक्ट्स जैसे गहने, घड़ियों पर चीन 20% से 35% तक टैरिफ लगाता है।

इसके अलावा चीन आयातित वस्तुओं पर वैट भी वसूलता है, जो अधिकांश उत्पादों पर 13% है। लग्जरी वस्तुओं जैसे कार 1त्न से 40%, तंबाकू 50% तक और कॉस्मेटिक्स 10% से 30% पर अतिरिक्त कंजम्पशन टैक्स भी लगाया जाता है। उदाहरण के लिए यदि भारत से .10,000 कीमत के कपड़े चीन भेज रहे हैं तो उस पर लगभग .1,500 कस्टम ड्यूटी और .1,495 वैट, कुल 2,995 टैक्स लगेगा।

भारत पर रूस कितना लगाता है सीमा शुल्क - रूस में भारतीय उत्पादों पर शुल्क दरें Eurasian Economic Union (EAEU) की कॉमन कस्टम टैरिफ व्यवस्था के अनुसार तय होती हैं। रूस भारत के कृषि उत्पाद पर 5% से 15% तक टैरिफ लगाता है। वहीं इंडस्ट्रियल गुड्स जैसे मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक्स पर 5% से 10% टैरिफ लगाता है। वहीं टेक्सटाइल और कपड़ों पर 10% से 20% टैरिफ लगाता है।

बजाज आलियांज के कैशलेस ट्रीटमेंट रोक विवाद में जनरल इंश्योरेंस काउंसिल ने ली एंट्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स इंडिया द्वारा उत्तर भारत में अपने सदस्य अस्पतालों को बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस और केयर हेल्थ इंश्योरेंस के पॉलिसीधारकों के लिए कैशलेस सुविधाएं प्रदान करना बंद करने की सलाह दी। इसके बाद खबर उड़ी की 1 सितंबर से कैशलेस इलाज बंद हो जाएगा। इस मुद्दे को सुलझाने के लिए इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया भी कूद पड़ी है। IRDAI के बाद अब इस मुद्दे पर जनरल इंश्योरेंस काउंसिल की भी एंट्री हो चुकी है।

जनरल इंश्योरेंस काउंसिल ने मंगलवार को कहा कि AHPI की ओर से इस अचानक एकतरफा कार्रवाई÷ ने नागरिकों के बीच अनावश्यक भ्रम और चिंताएं पैदा की हैं, जिससे स्वास्थ्य बीमा पारिस्थितिकी तंत्र में विश्वास प्रभावित हुआ है। यह कार्रवाई मनमानी थी, इसमें स्पष्टता या कार्रवाई योग्य विवरण का अभाव था। जनरल इंश्योरेंस काउंसिल ने साफ किया कि कैशलेस इलाज की पहुंच में बाधा डालने वाली कोई भी कार्रवाई सीधे तौर पर नागरिकों को नुकसान देती हैं। कैशलेस सेवा में बाधा न केवल इलाज पर पहले से अधिक खर्च और जेब से होने वाले खर्चों के माध्यम से परिवारों को सीधे प्रभावित करती है, बल्कि गंभीर चिकित्सा स्थितियों में तत्काल चिकित्सा की आवश्यकता वाले रोगियों के जीवन को भी खतरे में डालती है।

किसानों पर मेहरबान हुई सरकार, ड्रैगन फ्रूट की खेती के लिए दे रही 2.7 लाख की सब्सिडी; सिर्फ इन्हें मिलेगा लाभ

किसानों के लिए केंद्र और राज्य सरकार कई प्रकार की योजनाएं चलाती है। केंद्र की योजनाएं पूरे भारत के किसानों को मिलती हैं। लेकिन राज्य की योजनाएं उस राज्य के किसानों को मिलती है। अगर आप बिहार के किसान हैं तो आपके लिए यह काम की खबर है। क्योंकि बिहार सरकार ने किसानों को ड्रैगन फ्रूट की खेती के लिए प्रोत्साहित करने हेतु ड्रैगन फ्रूट विकास योजना शुरू की है। इस योजना के तहत, किसानों को खेती की लागत पर 60त्न सब्सिडी मिलेगी। यह कार्यक्रम 2025-26 और 2026-27 तक चलेगा।

कितनी मिलेगी सब्सिडी- Dragon Fruit की खेती की अनुमानित लागत 6.75 लाख रुपये प्रति हेक्टेयर है। आपको सरकार इसके लिए को 2.7 लाख रुपये की सब्सिडी दो किश्तों में देगी। पहले साल आपके खाते में 1.62 लाख रुपये और दूसरे साल 1.08 लाख रुपये आएंगे।

यह योजना भागलपुर, मुजफ्फरपुर, पूर्णिया, रोहतास, दरभंगा, सीवान और किशनगंज सहित 22 जिलों में उपलब्ध होगी। किसान कृषि विभाग की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं या विवरण के लिए अपने जिला बागवानी अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं।

बाजार में है ड्रैगन फ्रूट की भारी मांग- ड्रैगन फ्रूट एक उच्च मूल्य वाली फसल है जिसे कम पानी की आवश्यकता होती है और बाजार में इसकी अच्छी मांग है। एक बार लगाने के बाद, यह किसानों को कई वर्षों तक आय प्रदान कर सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस योजना से न केवल आय में सुधार होगा, बल्कि बिहार में फसल विविधता को भी बढ़ावा मिलेगा।

सब्सिडी के लिए करना होगा आवेदन- Dragon Fruit Vikas Yojana का लाभ उठाने के लिए आप किसान कृषि विभाग की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। विस्तृत मार्गदर्शन के लिए वे अपने जिला बागवानी अधिकारी से भी संपर्क कर सकते हैं।

आप भी करते हैं पापड़–दोने बनाने जैसे बिजनेस, तो जानें कैसे बढ़ाएं बिक्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्या आप जानते हैं कि भारत में 2024-25 में 35,000 से ज्यादा एमएसएमई यूनिट्स बंद हो गईं? इसका एक मुख्य कारण खराब सेल्स परफॉर्मेंस रहा। कोई भी छोटे बिजनेस का मालिक अच्छी सेल्स तकनीक, और प्रभावी रणनीतियों पर फोकस करके असफलता से बच सकता है। यहां हम आपको छोटे और मध्य साइज के कारोबारों के लिए 5 सेल्स टिप्स देंगे, जिनके जरिए आपको प्रॉफिटेबल और स्केलेबल बिजनेस बनाने में मदद मिलेगी।

सेल्स पर फोकस करना क्यों है जरूरी- किसी प्रोडक्ट या सर्विस को बेचना रेवेन्यू जनरेट करने और बिजनेस ग्रोथ के लिए महत्वपूर्ण है। सेल्स के जरिए ही आप रेवेन्यू यानी कमाई के अलावा नए कस्टमर्स जोड़ सकते हैं और मौजूदा कस्टमर्स को अपने साथ जोड़े रख सकते हैं।

अपने कस्टमर्स को समझें- अगर आपको पता ही नहीं है कि आप किसे अपना सामान बेच रहे हैं, तो अपने प्रोडक्ट या सर्विस को बेचना नामुमकिन है। सबसे पहले, सफल बिक्री के लिए अपने ग्राहकों की ज़रूरतों, पसंद और कमजोरी को जानना बेहद जरूरी है।

ग्राहकों की जरूरतों को जानने के लिए मार्केट रिसर्च, सर्वे करें और रेस्पॉन्स कलेक्ट करें।

सेल्स प्रोसेस आसान जरूरी होनी चाहिए। ग्राहक के शुरुआती कॉन्टैक्ट से लेकर सेल्स पूरी होने तक एक क्लियर और आसान स्ट्रक्चर बनाएँ, जिससे आपको कस्टमर को शॉपिंग में आसानी हो।

अब समय पर आएगी किस्त, बैंक नहीं रोक पाएंगे पैसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। किसानों तक पीएम-किसान सम्मान निधि योजना का पैसा समय पर पहुंचे, इसके लिए सरकार ने बैंकों को सख्त निर्देश दिए हैं। योजना के तहत कई बार लेन-देन असफल हो रहे थे, जिससे किसानों को किस्त पाने में परेशानी हो रही थी। वजहों में आधार नंबर का बैंक खाते से न जुड़ना, खाते का बंद होना और अधूरी केवाईसी जैसी दिक्कतें शामिल हैं।

सरकार ने इन समस्याओं पर ध्यान देते हुए अब राज्य स्तर पर सुधारात्मक कदम उठाने शुरू किए हैं। वित्त वर्ष 2025-26 में इस योजना के लिए 63,500 करोड़ रुपए का बजट तय किया गया है।

अधिकारियों का कहना है कि सबसे बड़ी समस्या आधार नंबर को सही तरह से खाते से लिंक न करना है। कई बार किसान गलती से लोन अकाउंट या फिक्स्ड डिपॉज़िट अकाउंट जैसी डिटेल्स भी दे देते हैं, जिससे पैसा ट्रांसफर नहीं हो पाता।

किसानों से सीधा संपर्क करेंगे बैंक

बैंकों को अब यह जिम्मेदारी दी गई है कि वे सीधे किसानों से संपर्क करें और उन्हें सही जानकारी दें। किसानों की मदद की जाए ताकि वे अपनी चङ्घङ्घष्ट पूरी कर सकें और फ्रीज या बंद हो चुके खातों को ठीक करा सकें। बैंक अधिकारियों ने बताया है कि इस पूरी प्रक्रिया की नियमित समीक्षा हो रही है और सुधारात्मक कदम समय-समय पर लिए जा रहे हैं।

गौरतलब है कि 2019 में शुरू हुई पीएम-किसान योजना के तहत किसानों को हर साल 6,000 रुपए तीन किस्तों में दिए जाते हैं। यह रकम सीधे आधार-लिंक्ड बैंक खातों में जाती है। अब तक सरकार 20 किस्तों में करीब 3.90 लाख करोड़ रुपए किसानों के खातों में डाल चुकी है।

योजना का लाभ पाने के लिए किसानों को अपनी जमीन का रिकॉर्ड, आधार और बैंक अकाउंट लिंक कराना जरूरी है। इसके अलावा ई-चङ्घङ्घष्ट पूरी करना भी अनिवार्य है।

इसी बीच 1 जुलाई से शुरू हुई तीन महीने की वित्तीय समावेशन मुहिम भी चल रही है। पहले ही महीने में देशभर के ग्राम पंचायतों में 1 लाख से अधिक कैंप लगे। इसके तहत लाखों नए जनधन खाते खोले गए और बीमा योजनाओं में भी बड़ी संख्या में लोग जुड़े।

पेट्रोल बेचने वाली किस कंपनी के शेयर में लगाएं पैसा, ब्रोकरेज ने बताई अपनी पसंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में पेट्रोल-डीजल की रिटेल ब्रिकी करने वाली ऑयल मार्केटिंग कंपनीज के शेयरों पर ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म जेफरीज ने एक रिपोर्ट जारी की है। जेफरीज ने भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन के शेयरों पर खरीदी की राय को बरकरार रखा है और बेहतर टारगेट प्राइस दिया है। खास बात है कि ब्रोकरेज हाउस ने बीपीसीएल को ऑयल मार्केटिंग सेक्टर में अपनी पसंदीदा पिक बताया है।

ब्रोकरेज फर्म जेफरीज का मानना है कि भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड, हिंदुस्तान पेट्रोलियम की तुलना में बेहतर है और अच्छे रिटर्न की संभावना को दर्शाता है, हालांकि पिछले एक साल में बीपीसीएल का शेयर लगभग 10त्न गिर चुका है। लेकिन, जेफ़रीज़ का मानना है कि इसकी कमाई का अनुमान मज़बूत बना हुआ है। ब्रोकरेज का कहना है कि यदि एक्साइज ड्यूटी में वृद्धि भी होती है तो बीपीसीएल की स्थिति एचपीसीएल से बेहतर है, क्योंकि इस मोर्चे पर एचपीसीएल को अधिक नुकसान होगा।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

कुत्तों का आतंक, बच्चों के साथ बड़ों को बना रहे निशाना, बुजुर्ग के मुंह पर मारा झपट्टा, नाक काटी

बड़वानी। देश-प्रदेश के साथ शहर में भी आवारा श्वानों द्वारा आमजन को निशाना बनाने का सिलसिला जारी हैं। बुधवार को सुबह से दोपहर तक चंद घंटे में एक दर्जन के करीब लोग श्वान के काटने के शिकार बने। इस दौरान एक बुजुर्ग के मुंह पर श्वान ने झपट्टा मारकर नाक काट दी। लहुलहान हालात में स्वजन उन्हें जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। वहीं इस दौरान आधे दिन में ही बच्चों सहित बड़े लोग श्वानों के शिकार होकर जिला अस्पताल उपचार के लिए पहुंचे।

बुधवार सुबह करीब 10 बजे शहर के गुरुद्वारा के पीछे नवलपुरा मुख्य मार्ग पर वेल्डिंग व ऑटो गैरेज व्यवसायी हाजी बसीर मंसूरी को श्वान ने बुरी तरह जख्मी किया। यह घटना सामने लगे सीसीटीवी में कैद हुई। उक्त घटना का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों ने जमकर रोष व्यक्त किया।हाजी मंसूरी अपने घर से सटी दुकान पर आए और वहां मंडरा रहे श्वानों को भगाने का प्रयास किया, इस दौरान अचानक श्वान ने लंबी छलांग लगाकर उनके चेहरे पर बुरी तरह झपट्टा मारा। श्वान के हमले से वे सड़क पर गिरे, जिसके बाद श्वान ने उनके हाथ-पैर में निशाना बनाया। आसपास के लोगों के पहुंचने पर श्वान दूर भागा।

इस हमले से बुजुर्ग बसीर मंसूरी की नाक का एक ओर का हिस्सा निकल गया और हड्डी तक क्षतिग्रस्त हो गई। स्वजन उन्हें तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। बुधवार को जिला अस्पताल में अवकाश के चलते नए सोलह पलंग वार्ड की इमरजेंसी ओपीडी में उनका टीकाकरण कर भर्ती कर उपचार शुरू किया। वहीं शाम चार बजे तक जिला अस्पताल में श्वान के काटने के शिकार करीब 10 लोग उपचार के लिए पहुंचे। इसमें बड़ों के साथ बच्चे भी शामिल थे।

इस वर्ष अब तक 1400 से अधिक घायल

जिला अस्पताल से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस वर्ष जनवरी से जुलाई तक श्वान टीकाकरण केंद्र पर 1400 से अधिक लोग दर्ज हुए हैं, जिन्हें श्वानों ने निशाना बनाया हैं। इसमें महिला-पुरुषों के साथ युवा-बच्चे शामिल हैं। वहीं अधिकांश मामलों में श्वानों द्वारा खूंखार रुप से लोगों और बच्चों पर हमला कर घायल किया है। कई लोगों को शरीर में दो-तीन या अधिक स्थानों पर जख्म व खरोंचे भी आई हैं। बता दें कि डेढ़ वर्ष पूर्व न्यू हाउसिंग बोर्ड मैदान के समीप आवारा श्वानों ने दो वर्षीय मासूम को झपटकर मौत के घाट उतार दिया था।

कॉलोनियों व स्कूलों के आसपास अधिक समस्या

शहर में वर्षाकाल के बीच आवारा श्वानों के जगह-जगह झुंड विचरण करते देखे जा सकते हैं। मुख्य रुप से पालाबाजार, पानवाड़ी, न्यु हाउिंसग बोर्ड, हाट बाजार, मीट मार्केट, माडल स्कूल परिसर, नवलपुरा, राजघाट रोड से सटी कालोनियां, आनंद नगर सहित मुख्य रुप से स्कूलों के आसपास श्वानों के झुंड मंडराने से बच्चों पर खतरा बना हुआ हैं। हालांकि गत दिनों से नगर पालिका अमले द्वारा श्वानों को पकड़कर आबादी क्षेत्र से बाहर छोड़ने की कार्रवाई की जा रही हैं, बावजूद इससे फिलहाल राहत मिलती नहीं दिख रही हैं।

इस वर्ष अब तक श्वानों के शिकार
जनवरी में 284
फरवरी में 178
मार्च में 250
अप्रैल में 171
मई में 170
जून में 112
जुलाई में 182
1400 से अधिक
अगस्त अब तक (प्रतिदिन औसत 6 से 10 मरीज)

सीएमओ सोनाली शर्मा ने बताया कि शहर में आमजन द्वारा आवारा श्वानों के काटने की शिकायतें आ रही है। नपा कर्मियों का अमला शहर में घूमकर श्वानों को पकड़कर आबादी क्षेत्र से दूर छोड़ रहा है। वहीं श्वानों के बंध्याकरण प्रक्रिया के लिए नगर पालिका ने गत माहों में टेंडर प्रक्रिया की थी। टेंडर निकालने के बाद किसी ने पार्टिसिपेड नहीं किया। किसी ने रूचि नहीं दिखाई। फिर टेंडर प्रक्रिया करने का प्रयास किया जाएगा।

नकाशपोश बदमाशों ने आर्म्स डीलर के घर में लगाई आग

कटनी। शहर में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और बढ़ते अपराधों को लेकर आमजन चिंता में हैं। माधवनगर थाना क्षेत्र की हाउसिंग बोर्ड कालोनी में रहने वाले पूर्व आर्म्स डीलर के घर मंगलवार की रात को तीन नकाबपोश बदमाश वाहन से पहुंचे और गेट के पास ज्वलनशील पदार्थ छिड़कर आग लगा दी व भाग निकले। बाहर आग लगी देखकर स्वजन भागे और गार्डन में लगे नल से पानी की बौछार कर आग पर काबू पा लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

घटना से लोगों में दहशत का माहौल

घटना के बाद से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुई है और पुलिस अज्ञात पर मामला दर्ज कर आरोपितों की तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार माधवनगर की हाउसिंग बोर्ड कालोनी में नगर के पूर्व आर्म्स डीलर नाजिम खान का निवास है। बताया जाता है कि मंगलवार की रात एक बजे के लगभग उनके गेट पर अचानक से किसी ने ज्वलनशील पदार्थ फेंका और आग लगा कर भाग निकले। दरवाजे में आग लगी देखकर घर के लोग दहशत में आ गए और बाहर की ओर भागकर गार्डन में आ गए। जहां पर पानी की व्यवस्था थी और नल के माध्यम से स्वजनों व आसपास के लोगों ने किसी तरह से आग पर काबू पाया, जिससे बड़ी घटना टल गई।

घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। साथ ही स्वजनों ने जब घर के सीसीटीवी कैमरे जब खंगाले गए तो उसमें सामने आया कि स्कूटी सवार तीन नकाबपोश घर के सामने तक आए थे। उन्होंने वाहन रोका और उसमें से युवक नीचे आने के बाद गेट पर पहुंचे और कोई ज्वलनशील पदार्थ फेंककर आग लगा दी। साथ तत्काल दोपहिया वाहन में बैठकर भाग निकले। मामले को पुरानी रंजिश से भी जोड़कर देखा जा रहा है।स्वजनों का आरोप था कि रात को सोते में घर के सभी सदस्यों को जान से मारने की साजिश रची गई थी। मामले की शिकायत नाजिम खान ने माधवनगर थाना में दर्ज कराई है। पुलिस ने अज्ञात तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है और उनकी तलाश कर रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपितों के सामने आने के बाद ही घटना को लेकर पूरी सच्चाई सामने आ सकेगी।

इनका कहना है

हाउसिंग बोर्ड कालोनी निवासी नाजिम खान के घर में रात को ज्वलनशील पदार्थ फेंककर आग लगाने की शिकायत पर माधवनगर थाना में अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। प्रारंभिक पूछताछ में कोई पुरानी रंजिश की बात नहीं बताई गई है। सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए आरोपितों की तलाश की जा रही है और उनके सामने आने के बाद ही पता लगेगा कि वे किसके कहने पर आग लगाने गए थे। पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

- डा. संतोष डेहरिया, एएसपी।

पेट्रोल-डीजल टैंकर में लगी भीषण आग... जिंदा जल गया युवक

सिवनी। जिला मुख्यालय से लगभग 40 किमी दूर सिवनी-बालाघाट मार्ग में 26-27 अगस्त की रात पेट्रोल-डीजल टैंकर तथा कौड़िया-घीसी गांव में संचालित संतोष ढाबा में हुई भीषण आगजनी में एक युवक पंकज पुत्र नरेन्द्र पटले (23) जिंदा जल गया। जबकि कौड़िया गांव निवासी मृतक का बड़ा भाई राहुल पटेल (27) झुलस गया।

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड कंपनी का लगभग 14 हजार लीटर तीव्र ज्वलनशील ईंधन से भरा टैंकर (वाहन क्र. एमपी 14 एचसी 5013) जबलपुर से बालाघाट जा रहा था, जो कौडिया के संतोष ढाबे में रूका था। टैंकर में फैली आग से ड्राइवर अरविंद परिहार (45) बरगी जबलपुर निवासी के हाथ-पैर झुलस गए। दोनों घायलों का इलाज बरघाट अस्पताल में चल रहा है, जिनकी स्थिति खतरे से बाहर है।

रात लगभग 11.30 बजे ढाबे व पेट्रोल-डीजल से भरे टैंकर में एक साथ भड़की आग को बरघाट पुलिस ने लगभग तीन घंटे की मशक्कत कर रात लगभग 2 बजे काबू किया।

घटना के दौरान ढाबे में संचालक संतोष सोनी के अलावा एक कमरे में पान दुकान संचालित कर रहा पंकज व उसका बड़ा भाई राहुल पटले मौजूद थे। आग इतनी भीषण थी कि मौके पर अफरा-तफरी मच गई। टैंकर का हेल्पर व ढाबे में मौजूद लोग डरकर इधर-उधर भाग निकले।

90 डिग्री ओवरब्रिज मामले में ठेकेदार को हाई कोर्ट से राहत, मैनिट प्रोफेसर करेंगे जांच

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने भोपाल के बहुचर्चित 90 डिग्री ओवरब्रिज मामले में ठेकेदार कंपनी मेसर्स पुनीत चड्ढा को बड़ी राहत दी है। मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा और न्यायमूर्ति विनय सराफ की खंडपीठ ने ठेकेदार पर कठोर कार्रवाई पर अंतरिम रोक लगाई है। साथ ही कोर्ट ने निर्देश दिया है कि ओवरब्रिज की जांच मौलाना आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (मैनिट) भोपाल के वरिष्ठ प्रोफेसर से कराई जाए और 10 सितंबर तक रिपोर्ट पेश की जाए।

याचिका में ठेकेदार ने दलील दी कि निर्माण पूरी तरह से पीडब्ल्यूडी अधिकारियों द्वारा दी गई डिजाइन के आधार पर हुआ। इसलिए कंपनी को दोष देना अनुचित है, जबकि विभागीय जांच में दोषी अफसरों पर पहले ही कार्रवाई हो चुकी है। कोर्ट ने भी असलियत सामने लाने के लिए स्वतंत्र तकनीकी जांच का आदेश दिया। जांच का खर्च (करीब एक लाख रुपये) फिलहाल ठेकेदार वहन करेगा।

सड़कों के निर्माण एवं संधारण के कार्य समयसीमा और गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें : संभागायुक्त श्री सिंह

निर्माणाधीन सड़कों एवं पुल-पुलिया के आसपास सुरक्षात्मक संकेतक लगायें

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में आज इंदौर संभाग के अंतर्गत सड़कों के निर्माण एवं संधारण कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में सड़क निर्माण से जुड़े अधिकारी संभागायुक्त कार्यालय में तथा नगर निगम के अधिकारी गूगल मीट के माध्यम से जानकारी ली। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने संभाग में चल रहे विभिन्न सड़कों, पुल-पुलिया के निर्माण कार्य एवं संधारण कार्यों की समीक्षा की। श्री सिंह ने संधारण और मरम्मत योग्य सड़कों की स्थिति के संबंध में अधिकारियों पर नाराजगी व्यक्त की। साथ ही उन्होंने संभाग की सभी सड़कों एवं फ्लाईओवर का निर्माण एवं संधारण का कार्य समयसीमा में गुणवत्ता के साथ करने की सख्त हिदायत भी दी है। उन्होंने कहा कि बारिश में आम नागरिकों एवं वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी नहीं हो, इस बात का ध्यान रखा जाये। निर्माणाधीन सड़कों एवं पुल-पुलिया के आसपास सुरक्षा की दृष्टि से बेरिकेट, होर्डिंग्स, रेडियम आदि के संकेतक लगायें। सड़कों एवं पुल-पुलिया के संधारण का कार्य लगातार जारी रखें। संभागायुक्त श्री सिंह ने आगामी समय मे आने वाले त्यौहारों में सड़कों से किसी तरह की परेशानी न हो इस बात का पूरा-पूरा ध्यान रखने की हिदायत दी है। खासकर गणेशोत्सव, नवरात्रि आदि त्यौहारों को देखते हुए सड़कों के निर्माण और संधारण के कार्य में गति लायें। राष्ट्रीय राजमार्गों पर भी मरम्मत एवं निर्माण का कार्य जारी रखा जाये।

श्री सिंह ने कहा कि संभाग के अंतर्गत निर्माणाधीन सड़कें और संधारण के कार्य में लोक निर्माण विभाग, नगर पालिका निगम, एनएचएआई, मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम आदि विभाग समन्वय बनाकर कार्य करें। श्री सिंह ने निर्माण कार्यों में हो रहे विलम्ब पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि कार्यों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के साथ ही ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी।

बैठक में इंदौर-उज्जैन मार्ग 6 लेन, मूसाखेड़ी चौराहा फ्लाईओव्हर, देवास नाका चौराहा फ्लाई ओव्हर, आईटी पार्क चौराहा फ्लाईओव्हर, सत्यसांई चौराहा फ्लाईओव्हर के निर्माण कार्यों पर चर्चा की गई। इसके अलावा एबी रोड से हरसोला दतोदा मार्ग का उन्नयन कार्य, अमलपुरा सांवखेड़ा जावर मार्ग का उन्नयन कार्य, तेजाजी नगर से बलवाड़ा मार्ग, इंदौर-हरदा फोरलेन, इंदौर-देवास 6 लेन, इंदौर-खलघाट 4 लेन, इंदौर-गुजरात 4 लेन आदि सड़कों के निर्माण कार्यों एवं संधारण पर भी चर्चा हुई।

पीडब्ल्यूडी की योजना से संभाग में 277 सड़कों का निर्माण जारी- लोक निर्माण विभाग द्वारा बैठक के दौरान जानकारी प्रस्तुत की गई, जिसके अनुसार 31 मार्च 2026 तक 277 नई सड़कों का निर्माण पूर्ण करेंगे। ये सभी सड़कें इंदौर संभाग में 1186.68 किमी का दायरा कवर करेगी। इसके अलावा विभाग द्वारा 111.25 किमी. की 35 सड़कों पर मजबूतीकरण और विशेष मजबूतीकरण का कार्य किया जा रहा है।

एक दिवसीय रोजगार मेला (युवा संगम कार्यक्रम) एक सितम्बर को

इंदौर। राज्य शासन के निर्देशानुसार इंदौर जिले के बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार दिलाने के लिए नियमित रूप से रोजगार मेले आयोजित किए जा रहे हैं। यह मेले कलेक्टर श्री आशीष सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित हो रहे हैं। इसी सिलसिले में आगामी एक सितम्बर को इंदौर में एक दिवसीय रोजगार मेले (युवा संगम कार्यक्रम) का आयोजन किया गया है। यह मेला जिला रोजगार कार्यालय, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था और जिला उद्योग केन्द्र इन्दौर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होगा। मेले का आयोजन औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था नन्दा नगर इन्दौर में किया जा रहा है।

उप संचालक रोजगार श्री पी.एस. मंडलोई ने बताया कि इस मेले में जहां एक ओर युवाओं को प्रतिष्ठित क्षेत्र की निजी कम्पनियों में नौकरी दिलाई जाएगी, वहीं दूसरी ओर खुद का व्यवसाय स्थापित करने के इच्छुक युवाओं को लोन के लिए मार्गदर्शन भी दिया जाएगा। रोजगार मेलें में निजी क्षेत्र की कई प्रतिष्ठित कम्पनियां जैसे- B-Able, Maple Hospital, Rapicon Infrastructure, Admee Sync, Paytm, SRF Limited, Coderving, रूपरंग स्टोर्स आदि द्वारा 350 से अधिक रिक्त पदों की पूर्ति हेतु युवाओं का प्रारम्भिक रूप से चयन किया जाएगा।

आत्मनिर्भरता और एकीकृत लॉजिस्टिक्स के बल पर सभी क्षेत्रों में निर्णायक संयुक्त प्रतिक्रियाएं भविष्य के युद्धों में जीत की कुंजी होंगीः रण संवाद में सीडीएस

इंदौर। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल श्री अनिल चौहान ने भविष्य के युद्धों में जीत सुनिश्चित करने के लिए सभी क्षेत्रों में त्वरित और निर्णायक संयुक्त प्रतिक्रिया का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि भविष्य के युद्धक्षेत्र, सेवा सीमाओं को नहीं पहचानेंगे। जनरल श्री अनिल चौहान, 26 अगस्त, 2025 को मध्य प्रदेश के डॉ. अंबेडकर नगर स्थित आर्मी वॉर कॉलेज में युद्ध पर प्रौद्योगिकी का प्रभाव विषय पर युद्ध, युद्धकला और युद्ध संचालन पर अपनी तरह के पहले त्रि-सेवा सेमिनार, 'रण संवाद' में मुख्य भाषण दे रहे थे।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और एकीकृत लॉजिस्टिक्स को आगामी युद्धों में विजयी होने की कुंजी बताते हुए सीडीएस ने दोहराया कि संयुक्तता भारत के परिवर्तन का आधार है। उन्होंने संयुक्त प्रशिक्षण को संस्थागत बनाने और परिचालन क्षमता बढ़ाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर और क्वांटम जैसी निरंतर विकसित हो रही तकनीकों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। एक मज़बूत नागरिक-सैन्य एकीकरण के लिए उन्होंने सुदर्शन चक्र (भारत का अपना लौह गुंबद) विकसित करने के महत्व और प्रतिबद्धता पर बल दिया जो ढाल और तलवार दोनों का काम करेगा। उन्होंने कहा कि भविष्य के युद्धों में विजय प्राप्त करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में क्षमताओं का विकास आवश्यक है।

जनरल श्री अनिल चौहान ने कौटिल्य का हवाला देते हुए कहा कि भारत प्राचीन काल से ही विचारों और ज्ञान का स्रोत रहा है। हालांकि, भारतीय युद्धों के विद्वत्तापूर्ण विश्लेषण या रणनीति पर अकादमिक चर्चा का बहुत कम साहित्य उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि युद्ध, नेतृत्व, प्रेरणा, मनोबल और तकनीक के विभिन्न आयामों पर गंभीर शोध किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को सशक्त, सुरक्षित, आत्मनिर्भर और विकसित बनना होगा और यह तभी संभव है जब सभी हितधारक भविष्य के लिए तैयार सेनाओं के निर्माण में सामूहिक रूप से भाग लें।

परिवहन विभाग द्वारा वाहन रजिस्ट्रेशन के डेटाबेस में मोबाइल नम्बर अपडेशन के लिये अभियान

इंदौर। प्रदेश में वाहन के पंजीयन और ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करते वक्त आवेदक को अपना मोबाइल नम्बर दर्ज करना अनिवार्य होता है। कई बार वाहन स्वामी की जगह डीलर अपना मोबाइल नम्बर दर्ज करा देते हैं। वाहन स्वामी और डीलर द्वारा सही मोबाइल नम्बर दर्ज कराने के बाद संबंधित व्यक्ति द्वारा मोबाइल नम्बर कुछ वर्षों बाद परिवर्तित कर देने के कारण डेटाबेस में संबंधित व्यक्ति का मोबाइल नंबर अपडेट नहीं रह पाता है। मोबाइल नम्बर अपडेट करने के लिये इन दिनों परिवहन विभाग द्वारा विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। वाहन स्वामी अथवा डीलर नेशनल इंफोर्मेशन सेन्टर (एनआईसी) के वाहन सारथी पोर्टल पर जाकर स्वयं ही आसानी से मोबाइल नंबर अपडेट कर सकते हैं।

वाहन सारथी पोर्टल पर आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से मोबाइल नम्बर अपडेट करने की ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध है। आधार में दर्ज आवेदक और उसके अभिभावक के नाम का वाहन पंजीयन और ड्रायविंग लायसेंस के डेटाबेस में दर्ज नाम से शत-प्रतिशत मिलान होने पर डेटाबेस में मोबाइल नम्बर तत्काल अपडेट हो जाता है। आधार पंजीयन और ड्राइविंग लायसेंस के डेटाबेस में दर्ज नाम में भिन्नता पाई जाती है, तो आवेदक को पोर्टल पर अपना कोई दूसरा परिचय पत्र जैसे आधार कार्ड, मतदाता परिचय पत्र और पासपोर्ट अपलोड करना पड़ता है। आरटीओ कार्यालय द्वारा दर्ज दस्तावेज और आधार से आवेदक और उसके अभिभावक के नाम का पंजीयन और ड्राइविंग लायसेंस में दर्ज नाम का सत्यापन किया जाता है।

प्रदेश में 100 मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजना एवं 60 मेगावाट पवन ऊर्जा परियोजना कैप्टिव मोड पर स्थापित करने का अनुमोदन

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा उज्जैन-इंदौर-पीथमपुर लाइन के प्रथम चरण में श्रीमहाकालेश्वर उज्जैन लवकुश चौराहा, इंदौर एवं द्वितीय चरण में लवकुश चौराहा से पीथमपुर, मेट्रो रेल परियोजना की डीपीआर बनाने के कार्य के लिए दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड को परामर्श शुल्क 9 लाख रूपये प्रति किमी की दर (जीएसटी के अनुसार) का अनुमोदन किया गया।

मंत्रि-परिषद ने प्रदेश में संचालित क्राईम एण्ड क्रिमिनल ट्रेकिंग नेटवर्क एण्ड सिस्टम प्रोजेक्ट के सतत् क्रियान्वयन एवं संचालन के लिए 5 वर्षों (वर्ष 2021-22 से 2025-26) के लिए स्वीकृत लागत 102 करोड़ 88 लाख रूपये की योजना में ई-विवेचना ऐप के लिए 75 करोड़ रूपये से 25 हजार टैबलेट क्रय करने की स्वीकृति दी। संशोधित/विस्तारित योजना की कुल राशि 177 करोड़ 87 लाख 51 हजार रूपये की स्वीकृति प्रदान गयी। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के सभी पुलिस थानों में ष्ट्टञ्जहृस् प्रोजेक्ट 2012 से स्वीकृति है। नए चरण में सभी विवेचना अधिकारियों को इलेक्ट्रॉनिक टेबलेट दिया जाता है। जिससे मौके पर समस्त कार्यवाही हो सके। इसके लिए ई-विवेचना ऐप बनाया गया है। प्रथम चरण में 1732 टेबलेट खरीदे गए हैं।

610 नवीन पदों की स्वीकृति- मंत्रि-परिषद द्वाराभारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के प्रभावी क्रियान्वयन, आपराधिक न्याय प्रशासन के सुचारू संचालन एवं प्रदेश के सभी दण्ड न्यायालयों के समक्ष ÷प्रति न्यायालय एक अभियोजक÷ के सिद्धांत अनुसार अभियोजकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लोक अभियोजन संचालनालय के तहत 610 नवीन पदों की स्वीकृति प्रदान की गई।

स्वीकृति अनुसार अभियोजन संचालनालय के पदों के सृजन में अतिरिक्त लोक अभियोजक के 185 पद, अतिरिक्त जिला अभियोजन अधिकारी के 255 पद, सहायक जिला अभियोजन अधिकारी के 100 पद और सहायक कर्मचारी के 70 पद का सृजन किया गया है। पद सृजन पर तीन वर्ष में लगभग 60 करोड़ रूपए का व्यय आयेगा।

प्रदेश के साथ देश की विद्युत आवश्यकताओं की पूर्ति कर रहा है मध्यप्रदेश : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वर्तमान युग में विद्युत (ऊर्जा) का महत्व वायु और जल के समान है। गर्व का विषय है कि हम उद्योगों और किसानों सहित सभी प्रदेशवासियों की बिजली की मांग के साथ देश की बिजली की जरूरत को भी पूरा कर रहे हैं। देश की राजधानी दिल्ली की मेट्रो ट्रेन मध्यप्रदेश की बिजली से चल रही है। अब इस तरह की योजना बनाई जा रही है कि वर्ष 2047 तक बिजली की कोई कमी नहीं होगी, प्रदेश ऊर्जा क्षेत्र में सरप्लस रहेगा। प्रदेश में विद्युत उत्पादन के लिए सभी उपलब्ध संसाधनों का उपयोग किया जा रहा है। देश में क्लीन एनर्जी के लिए गतिविधियों का विस्तार हो रहा है। प्रदेश में पिछले 11 वर्षों में सौर ऊर्जा 30 प्रतिशत बढ़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 6 विद्युत कंपनियों के नवनियुक्त 1060 कार्मिकों को नियुक्त-पत्र वितरण और अभिनंदन समारोह को रवीन्द्र भवन में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को औषधीय पौधा भेंट कर स्वागत किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बिजली कंपनियों के द्वारा एक हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटे जा रहे हैं। प्रदेश की बिजली कंपनियों में 51 हजार से अधिक नए पद भरे जाएंगे।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

गोपाल मंदिर के चौक पर जब यह नया निर्माण होगा तो यह चौक डबल हो जाएगा, जिससे नागरिकों को सुविधा होगी - मुख्यमंत्री

उज्जैन। निरंतर हो रहे विकास एवं निर्माण कार्यो से प्रगति की नई राह की ओर आगे बड़ते उज्जैन शहर को मा. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा बुधवार को नई सौगातें देते हुए रिगल टॉकिज के जनकेन्द्रित पुनर्विकास कार्य के साथ ही शहर के दो प्रमुख मार्ग गाड़ी अड्डा से बड़ा पुल एवं गदा पुलिया से लालपुल ब्रिज तक चौड़ीकरण एवं निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया गया।

सिंहस्थ 2028 को दृष्टिगत रखते हुए नगर निगम उज्जैन द्वारा सिंहस्थ मद से 79.27 करोड की लागत से रिगल टॉकिज के जनकेन्द्रित पुनर्विकास कार्य के साथ ही शहर के दो प्रमुख मार्ग गाड़ी अड्डा से बड़ा पुल एवं गदा पुलिया से लालपुल ब्रिज तक चौड़ीकरण एवं निर्माण कार्य करवाया जाना है जिसका भूमिपूजन बुधवार को माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा विधायक श्री अनिल जैन कालुहेड़ा, महापौर श्री मुकेश टटवाल, निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव, भाजपा नगर अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल, एमआईसी सदस्य श्री शिवेन्द्र तिवारी, क्षेत्रीय पार्षद एवं एवं एमआईसी सदस्य श्री रजत मेहता, श्री प्रकाश शर्मा एवं अन्य अतिथियों की उपस्थिति में किया गया।

भूमिपूजन कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा रिगल टॉकिज की अपने पुरानी यादों को सांझा किया गया। आपने कहा कि यह जो चौगान मिलने वाला है यहां बाबा महाकाल की सवारी, हरि हर मिलन, सिंहस्थ की पेशवाई सहित उज्जैन का कोई भी गौरवशाली आयोजन हो और गोपाल मंदिर नहीं आए तो ऐसा लगता उज्जैन ही नहीं आए, ऐसा इतिहास गोपाल मंदिर का है, आपने गोपाल मंदिर के निर्माण एवं उसके इतिहास से नागरिकों को अवगत कराया।

आपने कहा कि गोपाल मंदिर के चौक पर जब यह नया निर्माण होगा तो यह चौक डबल हो जाएगा, जिससे नागरिकों को सुविधा मिलेगी, जब यहां से सवारी एवं पेशवाई निकलती है तो पटनी बाजार की और का रास्ता छोटा पड़ने लगता था जिसका अब समाधान हो जाएगा, निर्माण की इस योजना में वह सारे प्रबंधन किये गए है जिसमें जिन लोगों के रोजीरोटी के कामकाज है उनको जोड़कर रखा गया है।

कार्यक्रम के अवसर पर एमआईसी सदस्य कैलाश प्रजापत, डॉ योगेश्वरी राठौर, जोन अध्यक्ष सुशील श्रीवास, पार्षद पंकज चौधरी, रामेश्वर दुबे, गब्बर भाटी, श्रीमती लीला वर्मा, श्रीमती आभा कुशवाह, मंडल अध्यक्ष श्री अजय तिवारी, कलेक्टर श्री रोशन कुमार सिंह, निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ जयति सिंह, अपर आयुक्त श्री पवन कुमार सिंह आदि।

पर्युषण महापर्व पर मनाया सवत्सरी पर्व मिच्छामी दुक्कडम बोलकर मांगी क्षमा याचना

उज्जैन। जैन श्वेतांबर समाज द्वारा पर्युषण महापर्व के आठवे दिन 27 अगस्त को संवत्सरी दिवस मनाया गया। श्री राजेंद्र सूरी जैन ज्ञान मंदिर नमक मंडी में इस अवसर पर प्रातः सामूहिक प्रतिक्रमण, पूजन एवं स्नात्र हुआ। समाजजन से खचाखच भरे उपाश्रय में साध्वीश्री रत्नकला श्री जी की शिष्या साध्वी श्री जिनकृपा श्रीजी द्वारा बारसा सूत्र का वाचन किया गया, सभी ने बारसा सूत्र के पन्नो के दर्शन करते हुए बारसा सूत्र सुना।

श्रीसंघ अध्यक्ष मदनलाल रुनवाल द्वारा अपने उदबोधन में साध्वी वर्या से जाने अनजाने हुई त्रुटियों के लिए सकल श्रीसंघ की ओर से क्षमायाचना व्यक्त की। सचिव संजय कोठारी द्वारा संचालित इस सभा में वर्षीतप की कठिन तपस्या कर रहे श्री संघ एवं परिषद परिवार के तपस्वी शैलेंद्र तल्लेरा, प्रमिला तल्लेरा, पायल चौरडिया, लक्की चौरडिया के साथ ही 11 उपवास एवं अट्टाई की तपस्या के तपस्वी कमलेश कोचट्टा, अजय गिरिया, अक्षत तलल्लेरा, मीनल तल्लेरा, शैली गिरिया, यामिनी सकलेचा एवं निरल मेहता का श्रीसंघ की ओर से सभी ट्रस्टीगण द्वारा शाल श्रीफल एवं अनुमोदना के साथ बहुमान किया गया। सभा के पश्चात लाभार्थी हुकुमचंद मिश्रीलाल चोरडिया परिवार द्वारा गुरुदेव की आरती कराई गई।

राठौर समाज में 31 अगस्त से होगी भागवत कथा 6 सितंबर को होगा सामूहिक अनंत चतुर्दशी व्रत का उद्यापन

उज्जैन/ श्री राठौर क्षत्रिय (तेली) समाज ट्रस्ट उज्जैन द्वारा समाज की धरोहर राठौर धर्मशाला कार्तिक चौक में दिनांक 31 अगस्त से 6 सितंबर रविवार तक प्रतिदिन दोपहर 1ः00 से शाम 5ः00 बजे तक संगीत मय श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन होने जा रहा है। यह आयोजित होने वाली कथा परम पूज्य पं विष्णु जी भट्ट(अमलेटा) रतलाम के मुखारविंद से होगी।

ट्रस्ट सचिव धर्मेंद्र मगरवा ने बताया कि इसी उत्सव के अंतर्गत 6 सितंबर अनंत चतुर्दशी पर सामूहिक अनंत चतुर्दशी व्रत उद्यापन का कार्यक्रम होगा । जिसमें प्रति जोड़े के लिए संपूर्ण पूजन सामग्री दक्षिणा एवं 30 व्यक्तियों के लिए भोजन व्यवस्था का शुल्क 6500? रखा गया है। इस सामूहिक उद्यापन में सम्मिलित होने वाले सामाजिक बंधुओ से जल्द ही पंजीयन करने का आह्वान समाज के पदाधिकारीयो ने किया है।

क्षत्रिय मराठा समाज की साधारण सभा में लिए महत्वपूर्ण निर्णय

उज्जैन। क्षत्रिय मराठा समाज में साधारण सभा का आयोजन मल्हार मार्तण्ड मंदिर के शिवाजी सभागृह में किया गया। जिसमें समाज के महत्वपूर्ण एजेंडो पर चर्चा कर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

समाज के वरिष्ठ भास्कर राव जाधव, पूर्व अध्यक्ष यशवंत राव चव्हाण उपस्थिति में बैठक आयोजित की अध्यक्षता समाज के अध्यक्ष अशोक कदम ने की। समाज के सचिव रंजीतराव सबकाले ने 3 वर्षो का आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया जिसे समाज के सदस्यों ने अनुमोदित किया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनीता पाटिल एवं उपाध्यक्ष प्रो मुकेश शिंदे द्वारा 3 वर्षो की उपलब्धियां एवं विभिन्न किए गए कार्यों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। आभार सहकोषाध्यक्ष प्रशांत शिंदे ने माना। इस अवसर पर उपाध्यक्ष जगदेव राव माहुरकर, सह सचिव प्रदीप शिंदे, दिलीप जाधव, अनीता शिंदे, रेखा कदम, ममता खोयरे, एकता शिंदे, चेतन कडेकर, निधी जाधव, यशवंत गोकर्णधरे, अनिल गावडे, राजेश खोयरे, राजहंस गायकवाड, ज्योति सबकाले, दीपा गावडे, विजय पाटिल, अनिल खोखले, अनिल बोर्डके, प्रवीण जाधव, तुषार पवार, लक्ष्मण राव शिंदे, मनोहर भालेराव, विशाल महाडिक, डॉ विशाल शिंदे, दिनेश शिंदे, संजय कदम एवं अन्य समाजजन मौजूद थे।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अंतर्गत हुआ भव्य सहकारी सम्मेलन

उज्जैन। अंतर्राष्टीय सहकारिता वर्ष 2025 के अंतर्गत, सहकारिता विभाग संभाग उज्जैन एवं जिला सहकारी संघ मर्यादित, उज्जैन के संयुक्त तत्वावधान में बी. पेक्स सेवा सहकारी संस्था मर्यादित, लखेसरा मुख्यालय सोहड़ वेयर हाउस पर भव्य सहकारी सम्मेलन का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सुखमाल जैन पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष एवं विधायक जितेन्द्र उदयसिंह पंडया विधायक बड़नगर के मुख्य आतिथ्य में, एवं विशेष अतिथि के रूप में ए. के. सिंह संयुक्त आयुक्त, सहकारिता विभाग संभाग उज्जैन एवं के. पाटनकर उपायुक्त सहकारिता उज्जैन, संजय कौशल सहायक आयुक्त एवं प्रशासक जिला सहकारी संघ मर्यादित, उज्जैन, रामप्रसादजी पंडया जिला पंचायत सदस्य, अभय टोगिया, अध्यक्ष नगर पालिका बड़नगर, अजबसिंह 'देवड़ा, जनपद पंचायत बड़नगर उपाध्यक्ष, धनसिंह पंवार पूर्व संचालक जिला सह. के. बैंक मर्या., उज्जैन, रमेश पंडया, पूर्व संचालक जिला सह. के. बैंक मर्या., उज्जैन, उमरावसिंह राठौर जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि, नवीन राठौर मंडल अध्यक्ष नगर बड़नगर, विजयसिंह बना खरसौदकलां, भालचंद उपाध्याय, जगदेव बनाजी, सरपंच लखेसरा, जगदीश शर्मा, आशिष शर्मा, सी.ओ. तहसिल बड़नगर, जगदीश शर्मा प्रबंधक, विपणन सहकारी संस्था मर्यादित, बड़नगर, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, उज्जैन तहसील बड़नगर के समस्त शाखा प्रबंधक एव बी पेक्स, सेवा सहकारी संस्थाओं के समस्त समिति प्रबंधक तथा बड़नगर तहसील के सहकारी साथियों एवं कृषक बंधुओ की गरिमा मय उपस्थिति में सहकारिता का सप्तरंगी ध्वज झंडावदन कर, सहकारी गीत का वाचन कर, एक पेड़ मां के नाम अंतर्गत पोधारोपण कर, बी.पेक्स सेवा सहकारी संस्था मर्यादित, लखेसरा मुख्यालय सोहड़ में नवीन वेयर हाउस का लोकार्पण किया गया। पश्चात मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। कार्यकम के शुभारम्भ में अतिथियों का स्वागत जिला सहकारी संघ मर्यादित, उज्जैन की और से संघ के प्रशासक एवं प्रबंधक द्वारा विधायक का साफा, साल श्रीफल भेंट कर एवं अन्य अतिथियों का पुष्प मालाओं से स्वागत किया गया। बड़नगर तहसील में कार्यरत जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के शाखा प्रबंधक एवं समिति प्रबंधकों द्वारा 90 प्रतिशत से उपर वसूली लक्ष्य पूर्ण करने वाली संस्थाओं के शाखा प्रबंधको / समिति प्रबंधको एवं ई.आर.पी., ए.पी.ओ. में लक्ष्य पूर्ण सदस्य संख्या पूर्ण करने पर सहकारिता विभाग संभाग उज्जैन एवं जिला सहकारी संघ मर्यादित, उज्जैन द्वारा प्रमाण-पत्र एवं सिल्ड देकर सम्मानित किया गया।

देशना जैन को मिला प्रथम पुरस्कार

उज्जैन। अभिव्यक्ति विचार मंच नागदा द्वारा 'पिता है तो सब कुछ है' विषय पर कविता लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जिसमें उज्जैन की देशना जैन ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

संस्था के 22वें वार्षिक प्रतिभा सम्मान समारोह में 24 अगस्त को शिक्षाविद् डॉ के बी गुप्ता, मंच के अध्यक्ष प्रफुल्ल शुक्ला, वरिष्ठ पत्रकार जवाहर डोसी पीयूष, उप निरीक्षक योगिता उपाध्याय, नपा परिषद सभापति प्रकाश जैन, मंच सचिव प्रीति जायसवाल, डॉ सुरेन्द्र मीणा ने देशना जैन को सम्मानित किया। इस मौके पर घोषित श्रेष्ठ रचनाकार के रूप देशना जैन ने मंच से कविता पाठ किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। मालवी सरस्वती वंदना डॉ सत्यार्थी ने प्रस्तुत की। स्वागत गीत अतुल मालपानी ने गाया। गजलकार यशवंत दीक्षित ने अपने मुक्तक से दाद बटौरी। कार्यक्रम का संचालन मंच सह संयोजक कवि अशोक शर्मा मृदुल ने किया तथा आभार संयोजक धर्मेंद्र गुप्ता ने व्यक्त किया।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com